पॉपकौर्न चोर

लूसी, हर्मिऑन और सॅम जहाज़ से घूमने निकले हैं। लेकिन समुद्र के बीचोंबीच कप्तान फॉस्टर और उनका कुत्ता बिस्कुट उन्हें मदद के लिए बुलाते हैं। समुद्री चोरों ने उनके जहाज़ से पॉपकौर्न का खज़ाना उड़ाया हैं। क्या यह तीन बच्चे और एक कुत्ता पॉपकौर्न का इतना बड़ा खज़ाना बचा सकेंगे ?

ISBN: 81-7655-096-5
मूल्य: 80 रुपये

पॉपकौर्न चोर

एलिक्जैंडर मिक्काल स्मिथ

पॉपकौर्न चोर

एलिक्जैंडर मिक्काल स्मिथ

चित्रांकन
ज्यूर्ज़ियन ओवरवाटर

अनुवाद
अरविन्द गुप्ता

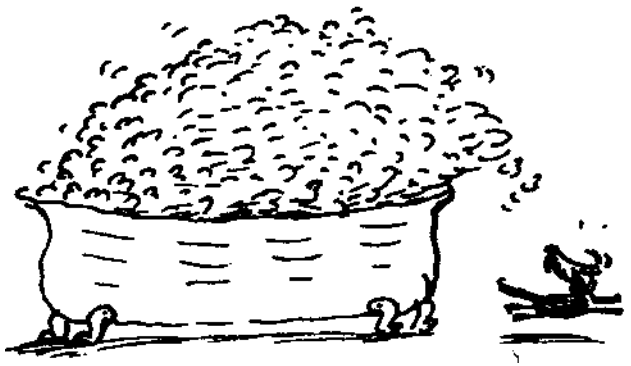

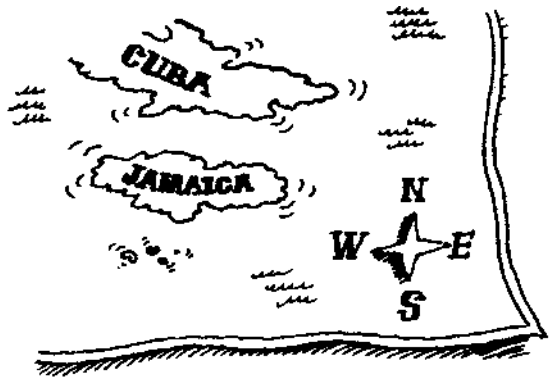

1

पॉपकौर्न द्वीप

क्या आपने कभी पॉपकौर्न द्वीप का नाम सुना है? शायद नहीं। बहुत कम लोग ही इसके बारे में जानते हैं—परंतु अगर आप कैरेबियन समुद्र के नक्शे को ध्यान से देखें तो आपको जमाईका से कुछ ही दूर शायद चार छोटे धब्बे दिखाई दें। इन धब्बों का कोई नाम नहीं है, क्योंकि ये नामकरण के लिए बहुत छोटे हैं। परंतु यही हैं पॉपकौर्न द्वीप।

बहुत साल पहले इन द्वीपों पर कोई नहीं रहता था। कभी-कभी किसी दुर्घटनाग्रस्त जहाज़ के नाविक इन पर आ जाते और वे महीनों और कभी-कभी सालों यहाँ रहते। फिर कोई जहाज़ आकर उनको वहाँ से बचा कर ले जाता और ये द्वीप फिर वीरान हो जाते। दुर्घटनाग्रस्त जहाज़ों के नाविक द्वीपों से जाते वक़्त काफी उदास होते। दरअसल यहाँ की ज़िंदगी काफ़ी आराम की थी। द्वीपों पर स्वच्छ, ताज़ा पानी था और यहां पर बहुत सारे जंगली फलों के पेड़ थे। द्वीपों पर रहने वाले बड़े कछुए और चिड़िया भी बड़ी दोस्ताना क़िस्म के थे। उन्हें कभी इंसान दिखते ही नहीं थे, शायद इसीलिए वे इंसानों की संगत में ख़ुश होते थे।

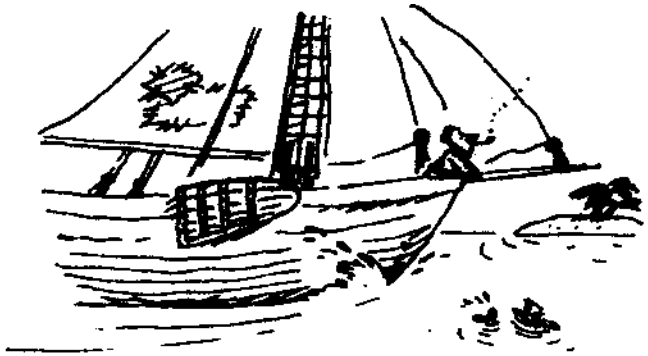

आज से लगभग सौ साल पहले लूसी के परदादा, जो एक जहाज के कप्तान थे, इन द्वीपों के पास से गुज़रे और उन्होंने वहाँ पर लंगर डालने की और द्वीपों को खोजने की सोची। उन्हें ये द्वीप बहुत पसंद आए। उनकी पत्नी हमेशा उनके साथ समुद्री यात्राओं पर जाती थीं, उन्हें ये द्वीप और भी ज़्यादा पसंद आए।

"हम लोग यहाँ पर ही क्यों न रहें?" उन्होंने अपने पति से कहा। वे लोग तट पर बैठ गए और उन्होंने बड़े कछुओं को समुद्र में से बाहर निकलते हुए देखा। "चलो, हम यहीं बस जाते हैं और अपना घर बनाते हैं। मैं समुद्री यात्राएँ करते-करते थक गई हूं। अब मैं एक जगह पर स्थायी तौर पर बसना चाहती हूँ। मैं एक ऐसा घर चाहती हूँ

जिसमें पर्दे हों और जहाँ मैं सचमुच के पैरों वाले पलंग पर सो सकूँ। इन झूलने वाले हैमक के पलंगों से मैं अब तंग आ चुकी हूँ।"

"तुम्हारी भावनाएँ मैं समझ सकता हूँ, प्रिय!" कप्तान ने सहानुभूति भरे शब्दों में कहा, "मुझे भी खिड़कियों से दूर-दराज़ की पहाड़ियों और पेड़ों पर बैठी चिड़ियों को देखने में मज़ा आएगा। मैं भी अब समुद्र की लहरों को देखते-देखते ऊब गया हूँ।"

"और हम यहां पर ताजे फल खा सकते हैं," कप्तान की पत्नी ने कहा, "नहीं तो जहाज में हमें सिर्फ़ सूखे बिस्कुट और नमक लगा ग़ोश्त ही खाने को मिलता है।"

कप्तान ने इस बारे में अपने नाविकों से चर्चा की और सभी को यह विचार बहुत पसंद आया। वे लोग भी पालों की रस्सियाँ खींचते-खींचते और मस्तूलों पर चढ़ते समय समुद्री गीत गाते-गाते उकता गए थे। सारे नाविक यही चाहते थे कि उनके भी छोटे-छोटे घर हों जिनमें नल की टोटियों से साफ़ पानी निकले। वे ऐसी प्लेटें चाहते थे जो चाटने पर समुद्री हवाओं के कारण नमकीन न हों।

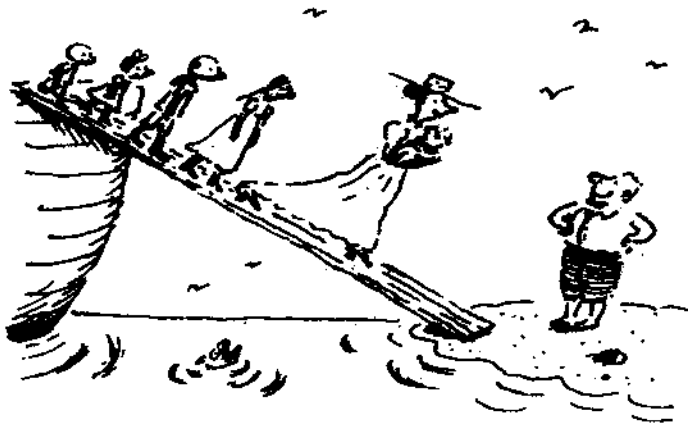

इसलिए बाक़ी नाविक, कप्तान और उसकी पत्नी को इन द्वीपों पर छोड़कर, जहाज़ लेकर अपने परिवारों को लेने चले गए। जब वे लौटे तो उन्होंने पॉपकौर्न द्वीप पर अपने घर बसाए। और इस प्रकार यह सब शुरू हुआ। और बस, हो गई द्वीपों की शुरुआत!

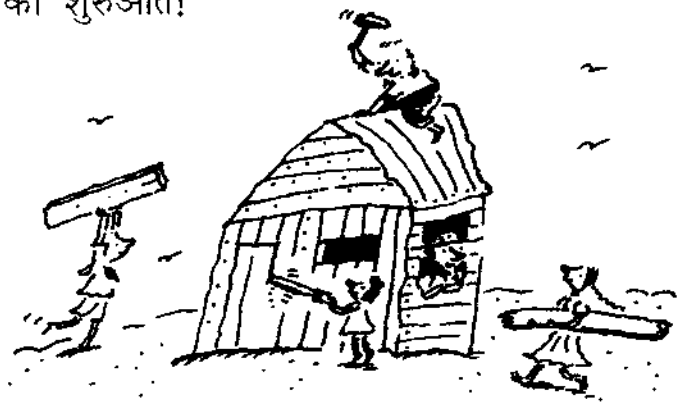

जैसे-जैसे साल गुज़रते गए, इन द्वीपों पर लोगों की संख्या बढ़ती गई। जब लूसी के दादाजी पैदा हुए उस समय चारों द्वीपों पर केवल पचास-पचास लोग ही थे। पर लूसी के जन्म के समय हरेक द्वीप पर एक सौ पच्चीस लोग हो गए। यह संख्या एक तरह से एकदम ठीक-ठाक ही थी। वहाँ बस इतने लोग थे जिससे वे एक-दूसरे के दोस्त बन सकें। अगर और ज़्यादा लोग होते तो द्वीपों में लोगों की भीड़ हो जाती।

लूसी के दादाजी ने ही वह महान खोज की जिसके कारण उन द्वीपों का नाम पड़ा। उन दिनों उन द्वीपों का कोई असली नाम नहीं था। लोग उन्हें बड़ा द्वीप, मँझला द्वीप, छोटा द्वीप और बच्चू द्वीप के नाम से बुलाते थे। एक दिन जब दादाजी पिछले सालों की तरह कद्दू और तरबूज़ बोने की सोच रहे थे, तभी उन्होंने यह अद्‌भुत खोज की कि द्वीपों की मिट्‌टी पॉपकौर्न—यानी मक्का बोने के लिए एकदम बढ़िया थी। अगर आप पॉपकौर्न

का एक बीज उन द्वीपों की बेहतरीन, काली मिट्‌टी में बो दें तो, कुछ ही दिनों में पॉपकौर्न का एक छोटा, मगर ताक़तवर पौधा मिट्‌टी के बाहर निकल आएगा।

फिर छह हफ़्तों के बाद आपको पॉपकौर्न की सूरज में लहलहाती हुई फ़सल दिखाई पड़ेगी। आपको, बस फ़सल काटनी होगी।

यह एक महान खोज थी और इससे सभी बेहद ख़ुश थे।

"कद्दू से तो यह बेहतर ही है," लोगों ने कहा, "अब हमें जितने पॉपकौर्न की ज़रूरत होगी वह हमें अपने दरवाज़े पर ही मिल जाएँगे!"

"और हम उसे बेच भी सकते हैं," दूसरे ने कहा, "हम उसे जहाजों में लादकर अमरीका भेज सकते हैं। वहाँ तो लोग पॉपकौर्न के दीवाने हैं!"

"फिर तो हम सब मालामाल हो जाएँगे!" किसी और ने कहा, "ज़रा सोचो तो!"

ख़ैर, इसका नतीजा यह हुआ कि हरेक इंसान तो रईस नहीं बना, परंतु सभी लोगों को उससे काफ़ी फ़ायदा हुआ। कुछ ही दिनों में उनका पॉपकौर्न का धंधा तेज़ी से चल निकला। तब से उन द्वीपों का नाम पॉपकौर्न द्वीप पड़ गया, जो सही भी था। यह नाम सभी लोगों को ठीक जँचा। अब जब लोग कहते हैं कि वे पॉपकौर्न द्वीपों से आए हैं तो उन्हें इसमें गर्व महसूस होता।

और इसमें कोई अचरज की बात नहीं है कि वहाँ लोग बहुत ख़ुश थे, परंतु अचानक हालत एकदम ख़राब हो गई।

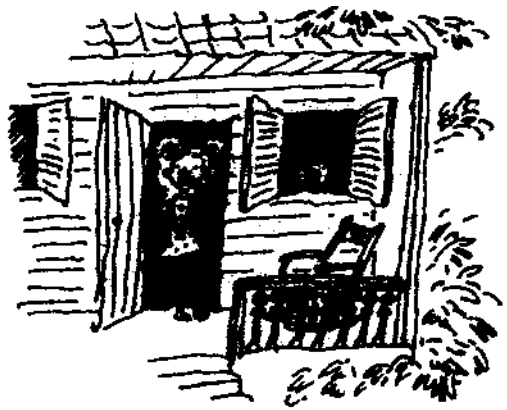

2

पॉपकौर्न का जहाज़ आता है

लूसी बड़े द्वीप में पॉपकौर्न के एक फ़ार्म पर रहती थी। उसका एक भाई था, सैम, जो उससे कुछ साल छोटा था। लूसी की एक दोस्त भी थी, हरमियौन, जो पड़ोस के फ़ार्म में रहती थी। वह और हरमियौन अक़सर अपना समय साथ-साथ बिताते और रोज़ रात वे टार्च के द्वारा एक-दूसरे को संदेश भेजते।

इसके लिए आपको अपने बेडरूम की खिड़की में से रात के अँधेरे में पॉपकौर्न के खेतों में से अपने संदेश को टार्च के ज़रिए चमकाना होता। और झट से रात के समय आपको उत्तर मिलता : फ़्लैश, फ़्लैश, फ्लैश!

पॉपकौर्न फसल की कटाई के समय द्वीप का स्कूल बंद हो जाता। इससे बच्चों को भी कटाई के काम में हाथ बँटाने का मौक़ा मिलता। कटाई में हर किसी की मदद करना ज़रूरी थी। स्कूल के टीचर और पुलिसमैन को भी इसमें हाथ बँटाना पड़ता। और अंत में जब सारा पॉपकौर्न कट जाता था, तब सबके लिए समुद्र के तट पर एक बड़ी पार्टी आयोजित की जाती। इसमें लोग पॉपकौर्न कटनी करते समय गाए जाने वाले गीत गाते और जमकर अपनी मर्ज़ी की स्वादिष्ट चीज़ें खाते।

उस समय एक नाच की प्रतियोगिता भी होती और उसमें सैम हमेशा सबसे बेहतरीन नाच दिखाता।

उसके जोड़ दोहरे थे, इसलिए वह ज़मीन से चंद हाथ ऊँचे किसी बाँस के नीचे मज़े से नाच सकता था। सभी लोगों को सैम का नाच और उसकी लचीली हड्डियों का करिश्मा देखने में आनंद आता था। वे उसके नाच में तालियाँ बजाते और उसकी वाहवाही करते।

अगले ही दिन पॉपकौर्न ले जाने वाला जहाज़ आने वाला था। जहाज़ बिना ग़लती किए हमेशा, कटाई पूरी होने के अगले दिन आता और सभी लोग उसका स्वागत करने बंदरगाह पर पहुँचते। जहाज़ के मालिक कप्तान फ़ोस्टर पूरे द्वीप में बहुत लोकप्रिय थे, क्योंकि वे बच्चों को जहाज़ पर आने देते और उन्हें एक विशेष प्रकार का नींबू का शरबत पीने को देते। आम नींबू के शरबतों से इसका स्वाद बिलकुल अलग होता और बच्चों को इसे मन भर कर पीने की इजाज़त होती।

कप्तान फ़ोस्टर का एक कुत्ता था—नाम था बिस्कुट। वह भी बच्चों के बीच काफ़ी लोकप्रिय था। वह कोई बहुत बड़ा कुत्ता नहीं था और वह सीधा न चलकर थोड़ा आड़े-तिरछे चलता था। वैसे वह काफ़ी दोस्ताना क़िस्म का था और बच्चों के जहाज़ पर आते ही ख़ुशी से भौंकने लगता था।

उस दिन लूसी पहली थी जिसने कप्तान

फ़ोस्टर का स्वागत किया। वह और सैम दौड़ कर बंदरगाह वह पर गए और जल्द ही हरमियौन भी वहाँ पर पहुँच गई। उन्होंने बिस्कुट को कुछ

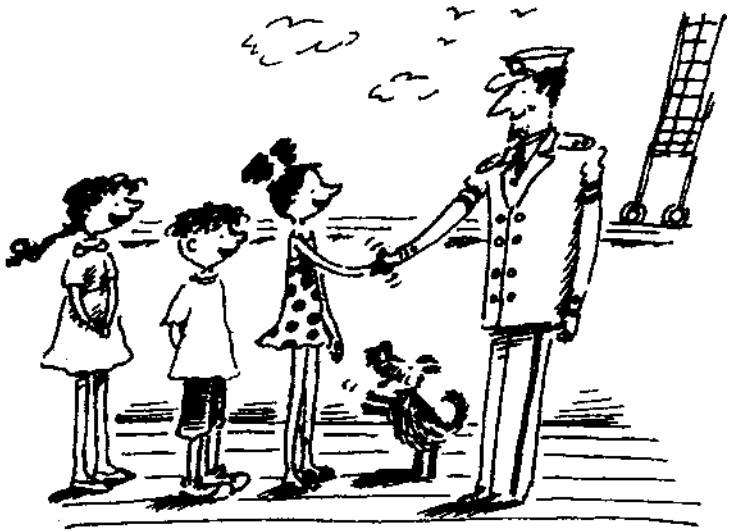

चॉकलेट खाने को दी और फिर वे नींबू का शरबत पीते-पीते कप्तान फ़ोस्टर से बातें करने लगे। और जब सब लोगों ने दिल भर कर नींबू का शरबत पी लिया, तो पॉपकौर्न की लदाई का मेहनत भरा काम शुरू हुआ।

जहाज़ में पॉपकौर्न लादने में अक़सर पूरा दिन लग जाता और उसमें हरेक व्यक्ति को हाथ बँटाना होता। जब अंत में पॉपकौर्न का आख़िरी बोरा जहाज़ में लद गया और जहाज़ के गोदाम का ताला लग गया, तब सब लोग वापस किनारे पर गए और उन्होंने कप्तान फ़ोस्टर और बिस्कुट की शुभ-यात्रा के लिए हाथ हिलाकर उनका अभिनंदन किया। कप्तान बंदरगाह पर फ़ालतू में अपना समय बरबाद नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें पॉपकौर्न को लादकर बहुत दूर ले जाना था और वहाँ माल को उतार कर पॉपकौर्न की दूसरी खेप लेने के लिए तुरंत लौट कर आना था।

लूसी और हरमियौन भी बंदरगाह के पास के तट पर दौड़े और जैसे-जैसे पॉपकौर्न से लदा जहाज़ समुद्र की ओर बढ़ा उन्होंने भी कप्तान फ़ोस्टर की ओर अपना हाथ हिलाया। जब जहाज़ आँखों से लगभग ओझल हो गया तब वे घर लौटे।

उस रात लूसी ने टार्च से एक संदेश भेजा।

"तुम्हें क्या लगता है—कप्तान फ़ोस्टर कितने दिन में वापस आएँगे?" उसने उस ख़ुफ़िया भाषा में पूछा जो उन्होंने ख़ुद बनायी थी।

फ़्लैश, डबल फ़्लैश, फ़्लैश, फ़्लैश, उसे उत्तर मिला—जिसका मतलब था : "मुझे लगता है, वह अगले इतवार तक वापस आ जाएँगे। हो सकता है कि वे शनिवार को ही आ पहुँचें।"

लूसी को लगा कि वह अगले सोमवार से पहले वापस नहीं आएँगे, क्योंकि उसने सुना था कि समुद्र में इस समय ज़ोरदार तूफ़ान है जिससे कप्तान फ़ोस्टर को देरी हो सकती है। सच तो यह

है कि दोनों की बात ग़लत निकली। अगली रात जब लूसी अपने कमरे में बैठ कर पढ़ रही थी तभी उसे पेड़ के ऊपर बने घर से अपने भाई के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी।

"पॉपकौर्न का जहाज!" सैम चिल्लाया, "देखो, कप्तान फ़ोस्टर वापस आ गए!"

लूसी दौड़ कर बाहर आई, यह देखने के लिए कि कहीं सैम कोई सपना तो नहीं देख रहा। परंतु सैम की बात सही निकली, क्योंकि बंदरगाह में अंदर आता हुआ जहाज़ वही जाना-पहचाना पॉपकौर्न वाला जहाज़ था। कप्तान फ़ोस्टर इस बार बहुत जल्दी वापस आ गए!

लूसी दौड़ कर बंदरगाह पर पहुँची। पहुँचने पर उसने पाया कि हरमियौन पहले से ही वहाँ उसका इंतज़ार कर रही थी। एक बार जहाज़ जब कस कर बाँध दिया गया तब वह और उसकी मित्र दौड़ कर जहाज़ पर दौड़े गए यह जानने के लिए कि आख़िर गड़बड़ क्या हुई। उन्होंने कप्तान फ़ोस्टर को जहाज़ की छत पर ही खड़ा पाया और उन्हें देखते ही वे समझ गईं कि कुछ भारी गड़बड़ है। बिस्कुट, जो आमतौर पर लड़कियों के स्वागत में भौंकता था, भी एकदम चुप था, उसका सिर लटका था और पूँछ उदासी से दोनों पैरों के बीच में झूल रही थी।

"हमें लूट लिया गया," कप्तान फ़ोस्टर ने दुखी भाव में कहा, "पॉपकौर्न का एक-एक बोरा चोरों ने लूट लिया।"

लूसी ने जहाज़ के गोदाम की ओर नज़र डाली। गोदाम का दरवाज़ा पूरा खुला था और वह

अंदर से एकदम ख़ाली था।

"चोरी किसने की?" उसने पूछा, "यह सब कैसे हुआ?"

कप्तान फ़ोस्टर ने एक ठंडी आह भरी। "समुद्री डाकू," उन्होंने कहा, "यहाँ से निकलने के चार घंटे बाद ही वे जहाज़ पर आ धमके। वे सब कुछ लूट कर ले गए, बिस्कुट का खाना तक।"

यह सुन कर लूसी और हरमियौन हाँफने लगीं। समुद्री डाकू! उन्होंने समुद्री डाकुओं के बारे में सुना था, वैसे सभी लोगों ने उन के बारे में कहीं पढ़ा था। परंतु आज भी समुद्री डाकू हैं जो जहाज़ों को लूटते हैं इसका उन्हें पता नहीं था। समुद्री डाकुओं की बात उन्होंने अपनी इतिहास की किताबों में ज़रूर पढ़ी थी। उस समय लोग उनसे डरते थे और बहुत भयभीत रहते थे। परंतु आज के युग में भी ऐसा हो सकता है, यह उन्हें नहीं पता था।

ऐसा लगा, जैसे कप्तान फ़ोस्टर ने उनके विचारों को भाँप लिया हो।

"हाँ," उन्होंने कहा, "शायद सभी लोग सोचते

होंगे कि समुद्री डाकू पुराने ज़माने में होते थे, परंतु सच बात तो यह है वे आज भी मौजूद हैं, मुझ पर यक़ीन करो! वे उतने ख़राब दरिंदे नहीं हैं जितने वे पहले होते थे, फिर भी वे काफी खराब हैं। पुराने ज़माने में वे मुझे और बिस्कुट को समुद्र में फेंक देते। परंतु अब उन्होंने कम-से-कम ऐसा तो नहीं किया।"

कुछ समय बाद कप्तान फ़ोस्टर लूसी के घर आए। वहाँ लूसी की माँ ने उनके लिए कुछ सूप बनाया। खाने की मेज़ पर कप्तान फ़ोस्टर ने सब लोगों को अपनी आपबीती सुनाई।

"सबसे पहले मुझे इस बात का तब पता लगा," उन्होंने कहा, "जब मैंने दूर एक जहाज़ देखा। पहले तो इसमें मुझे कुछ अजीब नहीं लगा, क्योंकि वहाँ कई और जहाज़ तैर रहे थे। परंतु इस जहाज़ में ज़रूर कोई ऐसी ख़ास बात थी जिस वजह से मेरा ध्यान उसकी ओर खिंचा। वह जहाज़ तैरता हुआ सीधे मेरी ओर आ रहा था।

"पहले तो मुझे लगा कि वह जहाज़ किसी मुश्किल में है। हम नाविक ऐसे मौक़ों पर एक-दूसरे की मदद करते हैं। इसलिए मैंने अपना इंजन बंद कर दिया और कुछ समय के लिए एक जगह पर रुका रहा। कुछ ही देर में वह जहाज़ पास आ गया और तब मैंने देखा कि वह एक बड़ा जहाज़ था, उसका मस्तूल ऊँचा था और उसमें बड़े-बड़े पाल लगे थे। जहाज़ देखने में ख़ूबसूरत था और शायद तबी मेरा ध्यान इस बात पर नहीं गया कि उसके मस्तूल के ऊपर से एक काला झंडा लहरा रहा था।

"मेरे पास आने के बाद उन्होंने मेरे जहाज़ की ओर एक रस्सा फेंका। और जब उनका जहाज़

एकदम पास आ गया तब उनके कुछ आदमी मेरे जहाज़ में कूद आए। अब मुझे कुछ फ़िक्र होने, लगी क्योंकि इन लोगों का अंदाज़ बिलकुल दोस्ताना नहीं था। अब मुझे पता चला कि उन्हें मुझसे कुछ भी सहायता नहीं चाहिए।

"बिस्कुट को भी उनके चेहरे अच्छे नहीं लगे, क्योंकि पहले वह सिर्फ़ गुर्राया, परंतु फिर वह ज़ोर से भौंका। उनमें से एक ने बिस्कुट की ओर देखा और उसे ज़ोर की लात मारी जिससे वह छत की दूसरी ओर जाकर गिरा।

"'मेरे कुत्ते के साथ ऐसा सलूक मत करो!' मैं गुस्से में चिल्लाया।

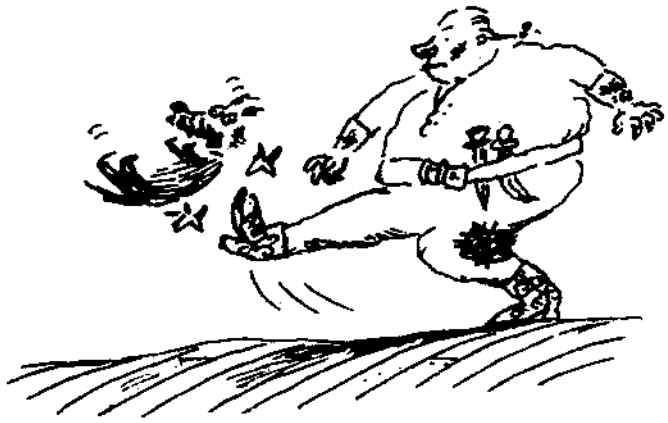

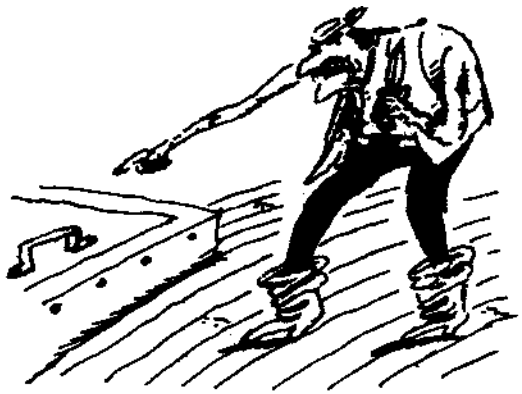

"'तुम चुप रहो!' उनमें से एक ने कहा और फिर अपनी बेल्ट में से उसने एक चाकू निकाला। 'जल्दी से हमारे लिए अपना गोदाम खोलो।'

"मुझे लगा कि उनकी आज्ञा मानने के अलावा अब मेरे पास कोई दूसरा चारा ही नहीं बचा था। इसलिए मैंने गोदाम खोल दिया और पॉपकौर्न का एक-एक बोरा डाकुओं को अपने जहाज़ में डालते देखता रहा। अपना काम ख़त्म कर लेने के बाद उन्होंने एक रस्सी से मुझे जहाज़ के मस्तूल से बाँध दिया। उन्हें इस शरारत में काफ़ी मज़ा आया, क्योंकि वे हँसते रहे और अंत में अपने जहाज़ में कूदे और ग़ायब हो गए।

"मैं परेशान था। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। जैसा कि आप जानते ही हैं कि मैं जहाज़ को अकेले ही चलाता हूँ। मेरी मदद के लिए वहाँ पर कोई भी नहीं था। इस प्रकार मेरा जहाज़ समुद्र में इधर-उधर हिचकोले खाता रहता और शायद किसी चट्टान से जाकर टकरा जाता। इसलिए मुझे बचने की अब कोई उम्मीद नहीं बची थी।

"समुद्री डाकू और मैं बिस्कुट के बारे में बिलकुल भूल गए थे। पर जैसे ही डाकू अपने जहाज़ में रवाना हुए बिस्कुट दौड़ कर मेरे पास आया और मेरे चारों ओर बँधी रस्सी को अपने दाँतों से खींचने लगा। उसे इसमें कुछ वक़्त अवश्य लगा, परंतु अंत में उसका अच्छा फल निकला— रस्सी थोड़ी ढीली हो गई। बस, फिर मैंने अपने जहाज़ को मोड़ा और सीधा आपको इस घटना के बारे में बताने के लिए यहाँ चला आया।"

"हम लोग बिस्कुट के शुक्रगुज़ार हैं," लूसी ने कहा, "उसके बिना..."

"हाँ," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा, "उसने ही मेरी ज़िंदगी बचाई।"

"परंतु अब हम इसके बारे में क्या करें?" लूसी के पिता ने पूछा, "अब हम बचे हुए पॉपकौर्न का क्या करें? अब आप उसे कल जहाज पर लादकर ले जाना तो नहीं चाहेंगे। समुद्री डाकू आपकी दुबारा राह देख रहे होंगे।"

कप्तान फ़ोस्टर ने कुछ देर के लिए सोचा। इस बात का डर अवश्य था कि दुबारा समुद्री डाकू उनकी टोह में हों, परंतु कप्तान अपनी बाक़ी ज़िंदगी पॉपकौर्न द्वीप पर तो नहीं बिता सकते थे। और पॉपकौर्न को बाज़ार तक ले जाना ज़रूरी था और यह काम कप्तान फ़ोस्टर के अलावा भला और कौन कर सकता था?

"मुझे कल यहाँ से जाना ही होगा," उन्होंने कहा, "इसके अलावा मुझे लगता है, मैं और कुछ कर भी नहीं सकता हूँ।"

3

हरमियौन की एक चाल

उस रात लूसी पलंग पर लेटे-लेटे कप्तान फ़ोस्टर की परेशानी के बारे में सोच रही थी। समुद्री डाकू कप्तान के जहाज़ को आसानी से दुबारा लूट सकते थे और ऐसी स्थिति में बाज़ार में बेचने के लिए कुछ पॉपकौर्न बचेगा ही नहीं। अगर पॉपकौर्न नहीं बिकेगा तो लोग ज़िंदा कैसे रहेंगे? तब सब को भूखा सोना पड़ेगा और उन्हें केवल कद्दू ही

खाने पड़ेंगे। इस विचार ने उसे एकदम झकझोर दिया। महीनों तक नाश्ते में कद्दू, दोपहर और रात के खाने में कद्दू! और स्कूल में भी कद्दू के सैंडविच!

वह पलंग से उठी और अपनी खिड़की के पास गई। बाहर घुप्प अँधेरा था और उसे अपनी खिड़की के बाहर लगे पेड़ भी काले साये जैसे दिखाई पड़े। उसने खेतों के उस पार हरमियौन के घर की ओर नज़र डाली। क्या उसकी मित्र अभी भी जगी होगी? उसने सोचा। क्या वह भी इस समस्या का कोई हल ढूँढ रही होगी?

लूसी ने अपनी टार्च निकाली और दुबारा खिड़की पर वापस आई। उसके बाद उसने अपनी टार्च द्वारा अँधेरे में अपना संदेश भेजा।

"क्या तुम अभी भी जग रही हो?" उसने पूछा।

कुछ क्षणों तक कुछ भी नहीं हुआ और लूसी ने सोचा कि शायद हरमियौन सो गई होगी। परंतु तभी अँधेरे में एक टार्च की चमक दिखाई दी।

"हाँ। मैं बस लेटे-लेटे सोच रही थी। मैं कप्तान फ़ोस्टर के बारे में बहुत चिंतित हूँ। मुझे उन समुद्री डाकुओं के बारे में सोच कर इतना डर लग रहा है कि मेरी नींद ही ग़ायब हो गई है।"

"मैं भी," लूसी ने जवाब दिया, "हम उनकी मदद के लिए कुछ-न-कुछ तो कर ही सकते हैं।"

फ़्लैश, फ़्लैश-फ़्लैश, डबल फ़्लैश, फ़्लैश, फ़्लैश—हरमियौन ने अपना संदेश भेजा। उसका मतलब था : "काश, कि हम कप्तान के साथ जा सकें। तब कप्तान जहाज़ चला सकते हैं और हम लोग समुद्री डाकुओं पर निगाह रख सकते हैं।"

लूसी ने कुछ देर सोचा और फिर उसने जवाब दिया। "मानो हमने उन्हें देख लिया तो? उसके बाद हम क्या करेंगे?"

हरमियौन का उत्तर अंधेरे को चीरता हुआ आया। "अगर हम उन्हें ठीक समय पर देख लेगें तो फिर उनके चंगुल से बचने की अच्छी संभावना होगी। कप्तान फोस्टर का जहाज काफी तेज है।"

लूसी इस योजना से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी, परंतु उसे लगा कि इससे कोई अच्छी योजना न सूझे तो ही इस पर अमल करना ठीक होगा।

"हम उन्हें इसके बारे में कल सुबह को बताएँगे," उसने हरमियौन को संदेश भेजा।

"हाँ," हरमियौन का जवाब मिला, "शुभ रात्रि।"

फिर लूसी पलंग पर लेट गई। हरमियौन अपनी समझदारी के लिए काफ़ी मशहूर थी, परंतु लूसी उसकी इस बात से अभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। फिर भी उसे लगा कि उनकी योजना ख़राब सही, लेकिन कुछ न करने से तो बेहतर है।

अगली सुबह तड़के ही हरमियौन लूसी के घर पहुँच गई। उस समय तक लूसी के घर वाले जगे भी नहीं थे। उसने और लूसी ने अपनी पूरी योजना पर चर्चा की। उसके बाद ही उन्होंने कप्तान फ़ोस्टर और लूसी के माता-पिता को अपनी योजना के बारे में बताया।

"अगर आपको समुद्री डाकुओं के आने की पहले से कुछ चेतावनी मिले तो क्या उससे कुछ फ़ायदा होगा?" लूसी ने कप्तान से पूछा जो उस समय अपनी डबलरोटी पर जैम लगा रहे थे।

"हाँ, उससे ज़रूर फ़ायदा होगा," कप्तान फ़ोस्टर ने जवाब दिया, "जब मैं अकेले जहाज़ चला रहा होता हूं तो मुझे इधर-उधर देखने का समय नहीं मिलता। और बीच में मुझे सोते समय जहाज़ को कुछ देर के लिए रोकना भी पड़ता है। जब मैं सो रहा होता हूँ उस समय जहाज़ की रखवाली करने वाला कोई नहीं होता है।"

तब लूसी ने हरमियौन की ओर देखा। उसने सहमति में अपना सिर हिलाया।

"हम आपके जहाज़ की निगरानी करेंगे," लूसी ने कहा, "हरमियौन और मैंने इसके बारे में चर्चा की है और हम आपके साथ जहाज़ पर चलना चाहेंगे।"

"मेरे साथ!" सैम ने कहा। वह सारी बातचीत को गहरी रुचि से सुन रहा था। किसी ने उससे पूछा भी नहीं था। परंतु एक बात पक्की थी, वह भी उनके साथ जहाज़ पर जाएगा।

"मैं तुम्हें कैसे लेकर जा सकता हूँ," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा, "इसमें बहुत ख़तरा होगा।"

"परंतु हम समुद्री डाकुओं के चंगुल में फँसेंगे ही नहीं," लूसी ने कहा, "आपने कहा कि उनके पास सिर्फ़ पाल वाला जहाज़ है जबकि आपके जहाज़ में तो इंजन भी लगा है।"

कप्तान फ़ोस्टर ने अपनी दाढ़ी खुजलाई और लूसी के माता-पिता की ओर देखा, जो इस बीच आपस में चुपचाप कुछ सलाह-मशवरा कर रहे थे।

"हम उन्हें जाने देंगे," लूसी के पिता ने कहा, "पॉपकौर्न का बाज़ार तक पहुँचना बेहद ज़रूरी है। अगर इसमें बच्चे हमारी मदद कर सकते हैं तो हमें उनकी सहायता ज़रूर लेनी चाहिए।"

कप्तान फ़ोस्टर को अभी भी इसमें कुछ शक था। परंतु उन्हें इसके अलावा और कोई चारा भी नज़र नहीं आ रहा था। इसलिए वह अंत में राज़ी हो गए। अब बस हरमियौन के माता-पिता से अनुमति लेना बाक़ी थी। उन्होंने जब पूरी योजना के बारे में सुना तो उन्होंने भी इजाज़त दे दी।

"अपना टूथ-ब्रश ले जाना मत भूलना," हरमियौन की माँ ने उसे याद दिलाया, "और अगर तुम्हें कोई समुद्री डाकू दिखें तो मैं नहीं चाहती कि तुम उनसे किसी तरह का ग़लत व्यवहार करो,

समझीं ना?" अब तैयारी करने के लिए समय बहुत कम बचा था। जहाँ बाक़ी सब लोगों ने पॉपकौर्न को लादने में मदद की वहीं तीनों बच्चों ने अपनी यात्रा का सामान बाँधा और साथ में ज़रूरत की सभी चीज़ें लीं। हरमियौन के पिता ने पूरे दिन यात्रा के लिए खाना बनाया। और माँ—जो पूरे द्वीप में सबसे अच्छी दर्जिन थीं—ने तीनों बच्चों के पहनने के लिए सुंदर नाविकों के सूट बनाए।

फिर जब सब कुछ तैयार हो गया तब लूसी, हरमियौन और सैम, नाविकों के सूट पहनकर बंदरगाह की ओर चले। उनके साथ में खाने का सामान और अन्य चीज़ें भी थीं।

"जहाज़ पर आप सभी का स्वागत है!" कप्तान फ़ोस्टर ने जहाज़ पर उनकी अगवानी की। बिस्कुट उनके पास ही खड़ा था। इस बार यात्रा पर कुछ और साथी होंगे, यह सोचकर वह भी ख़ुश नज़र आ रहा था। बिस्कुट ख़ुशी से बच्चों की ओर ज़ोर से भौंका।

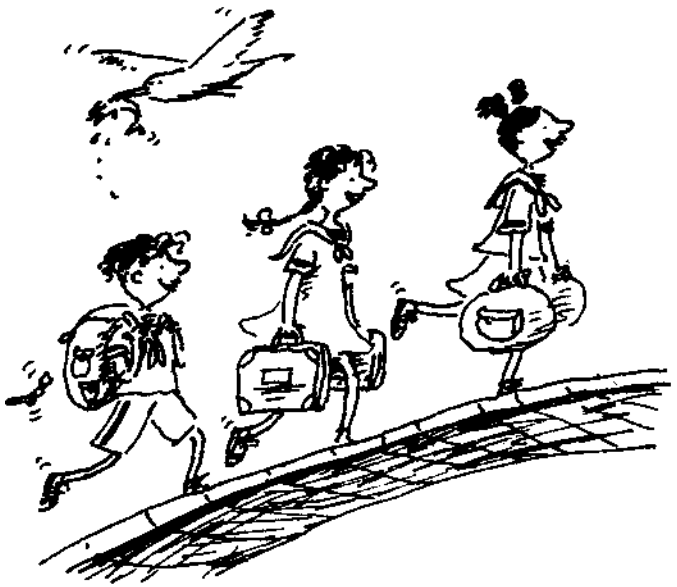

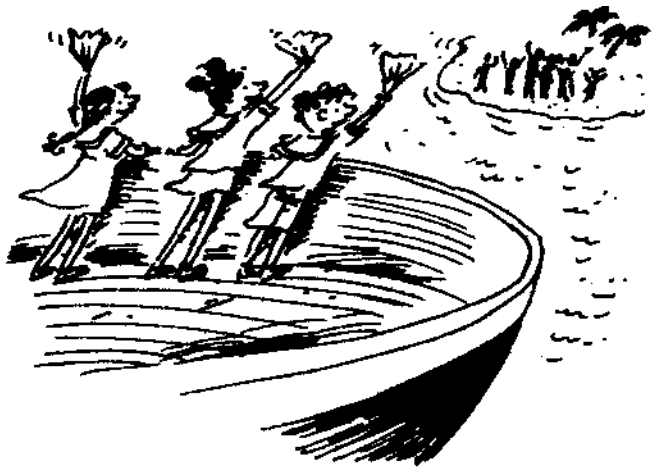

बच्चों को विदाई देने के लिए समूचा द्वीप ही बंदरगाह पर उमड़ पड़ा। और जैसे-जैसे जहाज़ बंदरगाह से दूर हुआ, तीनों बच्चे जहाज़ पर खड़े होकर अपने हाथ तब तक हिलाते रहे जब तक उनके हाथ दुखने नहीं लगे। तट पर खड़े लोग अब बहुत छोटे नज़र आ रहे थे और थोड़ी ही देर में वे छोटी बिंदियों जैसे दिखने लगे।

लूसी ने हरमियौन की ओर देखा। उसकी मित्र हमेशा से बहुत बहादुर थी और इससे उसको भी कुछ बल मिला। परंतु वे अब खुले समुद्र में थे और समुद्री डाकुओं के ख़याल से ही उसकी कँपकँपी छूटने लगी।

"अगर हमें समुद्री डाकू न मिलें तो ही अच्छा होगा," उसने अपनी मित्र को अपने दिल की बात बताई, "मुझे अंदर से कुछ डर लग रहा है।"

हरमियौन मुस्कुराई, "डर मुझे भी लग रहा है," वह जवाब में फुसफुसाई। "परंतु हमें अपना डर दिखाना नहीं चाहिए! हम सैम को इसकी बिलकुल हवा नहीं लगने देंगे।"

सैम उस समय बिस्कुट के बिलकुल पास खड़ा था। उसने कुत्ते के कान में कुछ फुसफुसाया।

"मुझे भी काफ़ी डर लग रहा है, बिस्कुट," कहते हुए उसकी साँस फूलने लगी। "परंतु यह बात तुम उन दोनों लड़कियों को नहीं बताना।"

बिस्कुट ने अपनी पूँछ हिलाई और फिर वह भौंका। उसे समुद्री डाकुओं से कोई डर नहीं था। अगर डाकूओं ने दुबारा जहाज़ पर धावा बोला तो बिस्कुट उन्हें एक अच्छा सबक़ सिखाने को तैयार था!

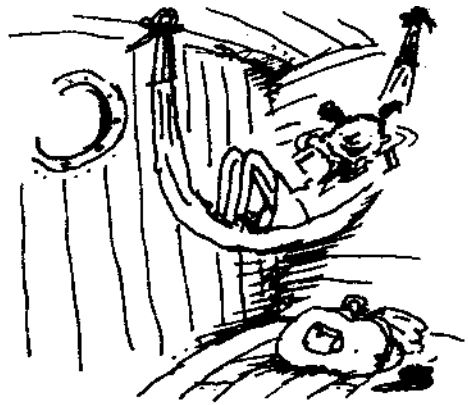

4

यह कौन आया?

वे लोग दोपहर के समय निकले थे और जब तक द्वीप उनकी आँखों से ओझल हुआ तब तक सूरज ढलने लगा था। उन्होंने इन चंद घंटों में काफ़ी काम किया था। उन्होंने अपना सामान खोला और रात को सोने के लिए झूले जैसे हैमक लटकाए। इस बीच कप्तान फ़ोस्टर ने आकर उनको अलग-अलग काम और ज़िम्मेदारियाँ समझाईं।

"रात के समय तुम्हें शिफ़्टों में काम करना

होगा," उन्होंने कहा, "हरेक शिफ़्ट चार घंटे की होगी। तुम में से प्रत्येक को एक शिफ़्ट करनी होगी। पहली शिफ़्ट सैम करेगा, क्योंकि वह सबसे छोटा है। उसके बाद लूसी और अंत में हरमियौन की बारी होगी। इससे हमारा सुबह तक का काम चल जाएगा।"

"हम क्या करें?" सैम ने पूछा। "क्या हमें जहाज़ का स्टीयरिंग संभालना होगा?"

"नहीं," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा, "रात को मैं जहाज़ का लंगर गिरा दूंगा और हम इंजन को बंद कर देंगे। बस, तुम्हें चारों ओर निगरानी रखनी होगी। अगर कोई भी जहाज़ आता हुआ दिखाई दे तो मुझे तुरंत जगा देना।"

"वह जहाज़ समुद्री डाकूओं का हो सकता है," हरमियौन ने समझाते हुए कहा। समुद्री डाकुओं के नाम मात्र से ही सबकी कँपकँपी छूटने लगी।

सैम ने सिर हिलाया। अगर समुद्री डाकू आएँ तो अच्छा यही होगा कि वे किसी और की शिफ़्ट में आएँ।

फिर उन लोगों ने खाना खाया। जिसे लूसी के पिता ने बड़े प्यार से बनाया था। अब अँधेरा हो चला था और घर से इतनी दूर सबको अकेलापन महसूस हो रहा था। उनके आसपास समुद्र शांत था, उसमें बस छोटी-छोटी लहरें ही उठ रही थीं, और ऊपर आसमान में सितारे झिलमिला रहे थे। ज़मीन पर हमें अपनी ऊँचाई अधिक मालूम पड़ती है, लूसी ने सोचा। यहाँ समुद्र में हम एकदम बौने लगते हैं।

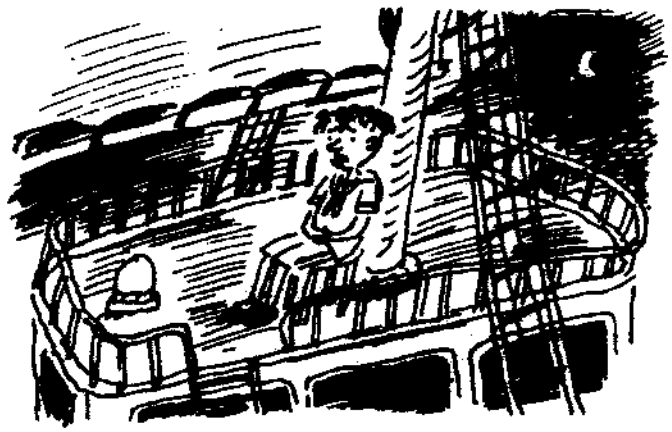

चौकीदारी के लिए जहाज़ का आगे वाला भाग ही सबसे उपयुक्त था। वहाँ बैठने से किसी भी आने वाले जहाज़ की रोशनी साफ़ दिखती और कप्तान फ़ोस्टर को जगाने के लिए भी काफ़ी समय मिलता। सैम को चौकीदारी करते हुए काफ़ी डर लग रहा था। परंतु उसकी ड्यूटी के दौरान

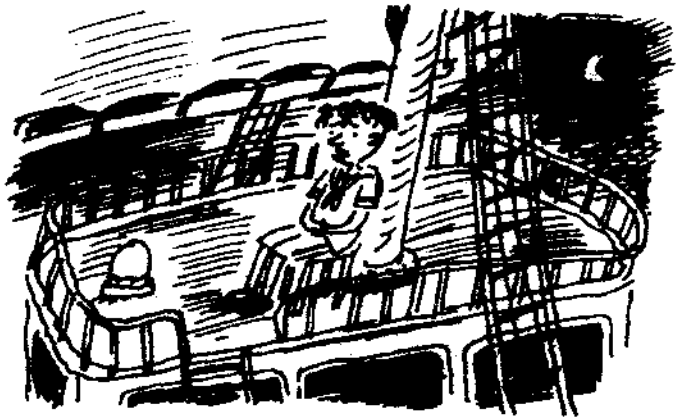

कोई भी हादसा नहीं हुआ और अंत में उसकी शिफ़्ट ख़त्म हुई और उसने अपनी बहन को जाकर जगाया। उसे अपने ऊपर गर्व महसूस हो रहा था और वह अपनी ड्यूटी के ख़त्म होने पर काफ़ी ख़ुश था।

लूसी को जगने में कुछ समय लगा। पर अंत

में वह अपने झूलेनुमा पलंग पर से उठी और जहाज़ की छत पर जाकर बैठ गई। उसे ऐसा लग रहा था जैसे समय बीत ही न रहा हो। पर अंत में उसकी भी शिफ़्ट ख़त्म हुई और आख़िर में हरमियौन की बारी आई।

उस रात कोई भी हादसा नहीं घटा और इससे बच्चों का मनोबल थोड़ा बढ़ा। कुछ देर बाद कप्तान फ़ोस्टर की नींद भी खुली और उन्होंने जहाज़ के इंजन दुबारा चालू किए। थोड़ी ही देर में वे तेज़ रफ़्तार से समुद्र को चीरते हुए आगे बढ़ने लगे। पीछे से तेज़ हवा चलने लगी जिसने उनकी गति को और तेज़ किया। रसोई में कुकर पर उनका नाश्ता पक रहा था और उसमें से भीनी ख़ुशबू आ रही थी।

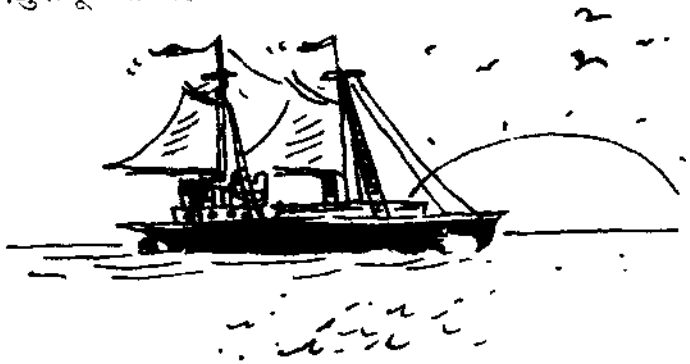

नाश्ते के बाद बच्चे दुबारा शिफ़्टों में चौकीदारी करने लगे। हरेक बार जब उन्हें कोई नया जहाज़ दिखता, वे तुरंत इसकी सूचना कप्तान फ़ोस्टर को देते जो अपनी दूरबीन से जहाज़ का मुआयना करते और फिर अपना सिर हिला देते।

"इस नाव में केले लदे हैं और वह बारबाडौस से आ रही है," वह कहते। या फिर "यह नाव फ्लोरिडा से आ रही है और केमैन की ओर जा रही है।"

समुद्री डाकुओं का कोई नामोनिशान नहीं था और सभी लोग यह सोचने लगे थे कि पिछली बार उनके महज़ दुर्भाग्य के कारण ही हादसा हुआ था। शायद अब उनका दुबारा उन समुद्री डाकुओं से कभी भी पाला नहीं पड़ेगा—बस, वह एक बुरा अनुभव बन जाएगा।

दोपहर के खाने के बाद सैम निगरानी कर रहा था। अचानक वह ज़ोर से चिल्लाया।

"कप्तान!" उसने कहा, "मुझे लगता है कि

एक जहाज़ हमारी तरफ़ आ रहा है!"

कप्तान फ़ोस्टर जहाज़ की छत पर आए और उन्होंने दूरबीन में अपनी दायीं आँख से देखा। लूसी और हरमियौन ने भी अपनी आँखों से बहुत देखने की कोशिश की, परंतु जहाज़ बहुत दूर था और उन्हें क्षितिज पर सिर्फ़ एक छोटा-सा धब्बा नज़र आ रहा था।

कप्तान फ़ोस्टर ने दूरबीन को नीचे किया। उनके चेहरे पर ग़ुस्सा था।

"मुझे उस जहाज़ का अंदाज़ कुछ अच्छा नहीं लग रहा," उन्होंने कहा, "मैं एकदम निश्चित रूप से तो अभी कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि वह जहाज़ अभी काफ़ी दूर है—पर अब मैं अपनी रफ़्तार थोड़ी तेज़ करूँगा और अपनी दिशा भी कुछ डिग्रियों से बदलूँगा। तुम उस जहाज़ पर अच्छी तरह से निगरानी रखो!"

कप्तान ने दूरबीन लूसी को थमा दी और उन्होंने दूर क्षितिज पर उस जहाज़ की दिशा इंगित की।

"जैसे ही वह जहाज़ कुछ अजीबोग़रीब काम करे, मुझे तुरंत बताना," उन्होंने कहा, "मैं स्टीयरिंग वाले कमरे में होऊँगा।"

लूसी ने दूरबीन उठाई और उससे जहाज़ को देखने की कोशिश की। अब वह उसे थोड़ा-सा साफ़ नज़र आया, परंतु अभी भी वह बहुत दूर था। तभी उसे इंजन की आवाज़ में कुछ फ़र्क महसूस हुआ, क्योंकि कप्तान ने जहाज़ की रफ़्तार कुछ तेज़ कर दी थी।

अगले पंद्रह मिनट तक बच्चे उस दूर के जहाज़ पर आँखें जमाए रहे। जहाज़ उनकी ही दिशा में चल रहा था और धीरे-धीरे उनके क़रीब आ रहा था। अब उन्हें उस जहाज़ के मस्तूल दिखने लगे थे और लूसी को उसकी छत पर खड़े दो-एक आदमी भी खड़े दिखाई दे रहे थे।

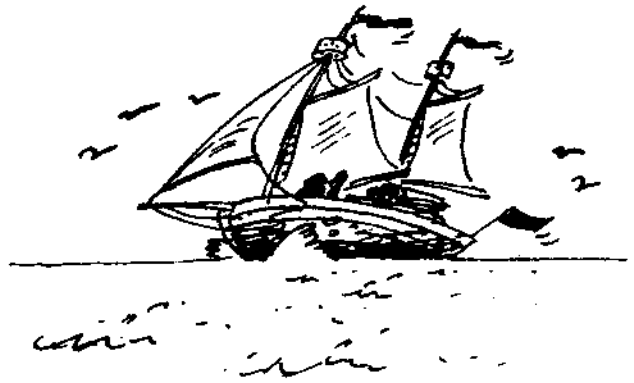

"कप्तान को जाकर बताओ कि वह जहाज़ हमारा पीछा कर रहा है," लूसी ने सैम से कहा।

सैम ने जब यह बात कप्तान को बताई तो वह छत पर आए और उन्होंने लूसी से दूरबीन ले ली। उन्होंने उस जहाज़ का कुछ देर तक मुआयना किया और फिर दूरबीन को नीचे रख दिया।

"वही लोग हैं," उन्होंने कहा, "मैं उनके जहाज़ को अच्छी तरह पहचानता हूँ!"

"क्या हम अपनी रफ़्तार और तेज़ नहीं कर सकते?" हरमियौन ने पूछा, "क्या हम उनसे दूर नहीं भाग सकते?"

कप्तान फ़ोस्टर ने एक लंबी आह भरी। "हम अपनी सबसे तेज़ रफ़्तार से ही चल रहे हैं," उन्होंने कहा। "परंतु उन लोगों के पीछे एक तेज़ हवा है जिसका फ़ायदा उन्हें मिल रहा है।"

बच्चे घबराए हुए थे और कप्तान का चेहरा ताक रहे थे। क्या इसका मतलब यह है कि समुद्री डाकू हमें जल्द ही पकड़ लेंगे? और अगर वे इसमें सफल हुए तो फिर क्या होगा? क्या डाकू

उन्हें भी मस्तूल से बाँध देंगे जैसा कि उन्होंने पिछली बार कप्तान फ़ोस्टर के साथ किया था? शायद वे अपना इरादा बदल दें और इस बार उन्हें सीधा समुद्र में फेंक दें?

कप्तान फ़ोस्टर ने बच्चों की घबराहट को देखा और उन्होंने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की।

"अभी तो हम नहीं हारे हैं," उन्होंने कहा, "तुम यहाँ पर ठहरो। मैं नीचे जाकर इंजन के साथ कुछ करता हूँ जिससे उसकी रफ़्तार थोड़ी और बढ़ जाए। लूसी, तुम थोड़ी देर के लिए जहाज़ के स्टेयरिंग को संभालो।"

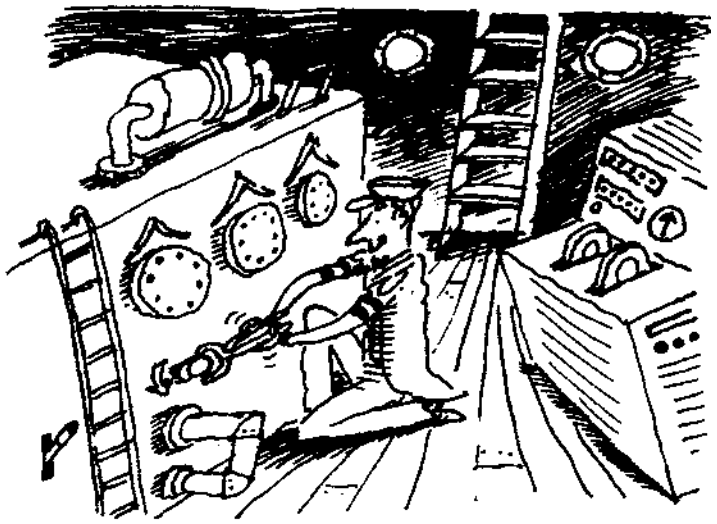

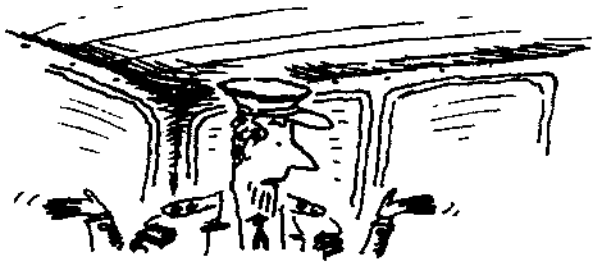

दस मिनट बाद कप्तान फ़ोस्टर जहाज़ की छत पर फिर वापस आ गए। समुद्री डाकुओं का जहाज़ अब और नज़दीक आ चुका था। उसके मस्तूलों से लटके पाल और उसका काला झंडा अब साफ़ दिख रहा था। कप्तान फोस्टर ने डाकुओं के जहाज़ को आते देख बच्चों को स्टेयरिंग वाले कमरे में ठहरने को कहा। फिर उन्होंने बच्चों से एक गंभीर लहजे में बात की, जैसे कि जहाज़ डूबने वाला हो।

"ऐसा लगता है कि वे जल्दी ही हमें पकड़ लेंगे," उन्होंने कहा, "मेरा काम तुम्हारी सुरक्षा का पक्का इंतज़ाम करना है। इसलिए तुम लोगों को जहाज पर छिपना है—तुम तीनों को और बिस्कुट को भी। मैं नहीं चाहता कि कुत्ता डाकुओं के लिए कोई परेशानी खड़ी करे।"

"लेकिन आपका क्या होगा?" लूसी ने पूछा।

"जैसा पहले हुआ था," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा। "वे लोग पॉपकौर्न ले जाएँगे और शायद मुझे पिछली बार की तरह बाँध देंगे। परंतु उनके जाने के बाद तुम लोग छिपी जगह में से निकल कर आना और मुझे छुड़ाना। मुझे इस परिस्थिति में यही सबसे अच्छा तरीक़ा लगता है।"

बच्चों को ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने कप्तान को धोखा दिया हो, परंतु उन्हें कप्तान की बात माननी पड़ी। कप्तान ने उन्हें छिपने की जगह दिखाई जो स्टेयरिंग कमरे के पीछे और पॉपकौर्न के बोरों के नीचे थी। अगर वे वहाँ चुपचाप छिपे रहे तो कोई भी समुद्री डाकू उन मैले-कुचैले बोरों पर शक नहीं करेगा। वे वहाँ एकदम सुरक्षित रहेंगे।

"ठीक है," कप्तान फ़ोस्टर ने जल्दी से कहा, "तुम लोग अंदर जाकर छिप जाओ। वहाँ बिलकुल चुपचाप रहना और चाहे कुछ भी हो कोई हलचल

नहीं करना। अगर किसी को छींक वग़ैरा आ रही हो तो उससे अभी निबट लो।"

लूसी और हरमियौन एक बोरे के नीचे छिप गए और सैम और बिस्कुट दूसरे के नीचे। फिर कप्तान फ़ोस्टर ने उनके छिपने का अच्छी तरह निरीक्षण किया।

"बहुत अच्छा!" उन्होंने बच्चों को शाबाशी देते हुए कहा, "अच्छा, याद रखना, कोई भी अपनी जगह से हिले-डुले नहीं।"

"वे हमारे जहाज़ पर आ रहे हैं," हरमियौन ने कहा, "समुद्री डाकू अपने जहाज़ पर पहुँच चुके हैं।"

5

बिस्कुट की ग़लती

उन पुराने पॉपकौर्न के बोरों के नीचे एकदम स्थिर लेटे रहना काफ़ी मुश्किल काम था। लूसी के पैर एक जगह पर रखे-रखे अब दर्द करने लगे थे और उसका पैरों को फैलाने का बहुत मन कर रहा था, परंतु वह यह कर नहीं सकती थी। हरमियौन के लिए सबसे दुखद बात यह थी कि वह पूरी घटना को देख नहीं पा रही थी। अगर उसके बोरे

में बस एक छेद होता तो वह सब कुछ देख पाती और उसे बहुत अच्छा लगता। छिपे रहने से बुरा और कुछ नहीं हो सकता है, उसने सोचा। कोई तुम्हारे एकदम सामने आकर खड़ा हो या फिर नीचे देख कर बोरों के नीचे की आकृतियों के बारे में अटकलें लगा रहा हो और तुम्हें इस बात की कोई ख़बर भी न हो।

जहाँ तक सैम की बात थी वह बिस्कुट को चुप कराने की भरसक कोशिश कर रहा था। छोटे कुत्ते को पहले तो बोरों के नीचे काफ़ी अच्छा लगा, परंतु धीरे-धीरे वह इस खेल से उकता गया और उनका मन वहाँ से भागने का हुआ। इसलिए सैम को उसे ख़ुश रखने के लिए उसे लगातार सहलाना पड़ा और उसकी झबरीली ठोढ़ी को गुदगुदाना पड़ा।

कुछ देर बाद गोदाम में से बोरों को उठाने और गिराने की आवाज़ आनी बंद हो गई। बोरों की ढुलाई अब ख़त्म हो चुकी होगी और शायद समुद्री डाकू उन्हें लेकर अब चले गए थे।

"चंद मिनटों की बात और है," लूसी हरमियौन के कानों में फुसफुसायी, "फिर हम यहाँ से निकलेंगे और..."

तभी उसे कुछ पैरों के चलने की आवाज़ सुनाई दी। स्टेयरिंग वाले कमरे का दरवाज़ा खुला और वहाँ लोगों के बातचीत करने की आवाज़ सुनाई पड़ी।

"तुम अपनी पूँजी कहाँ रखते हो?" रूखी-सी आवाज़ में किसी ने पूछा।

"मेरे पास कुछ ख़ास है नहीं," कप्तान फ़ोस्टर की आवाज़ आई, "मैं तुम से बार-बार यही कह रहा हूँ। देखो यहाँ कुछ भी नहीं है, जो कुछ भी है वह नीचे है। यहाँ तुम्हारे मतलब की कोई चीज़ नहीं है।"

"हाँ, हाँ?" किसी दूसरी आवाज़ ने कहा, जो

बहुत क्रूर और बेहूदा थी और जिसे सुनकर बच्चों का दिल दहल गया। "तुम बहुत कोशिश कर रहे हो हमें स्टेयरिंग कमरे से दूर रखने की, क्यों है न, बर्ट? तुमने यहाँ पर क्या छिपा रखा है?"

"कुछ नहीं," कप्तान फ़ोस्टर ने जल्दी से कहा, "यहाँ कुछ भी नहीं है।"

"इसका फ़ैसला हम खुद करेंगे," पहली आवाज़ ने कहा, "मेरी राय में हमें यहाँ एक बार संभाल कर देख लेना चाहिए और पुष्टि कर लेनी चाहिए। तुम्हारी क्या राय है, स्टिंगर?"

तब स्टिंगर नाम के समुद्री डाकू ने अपनी सहमति जताई।

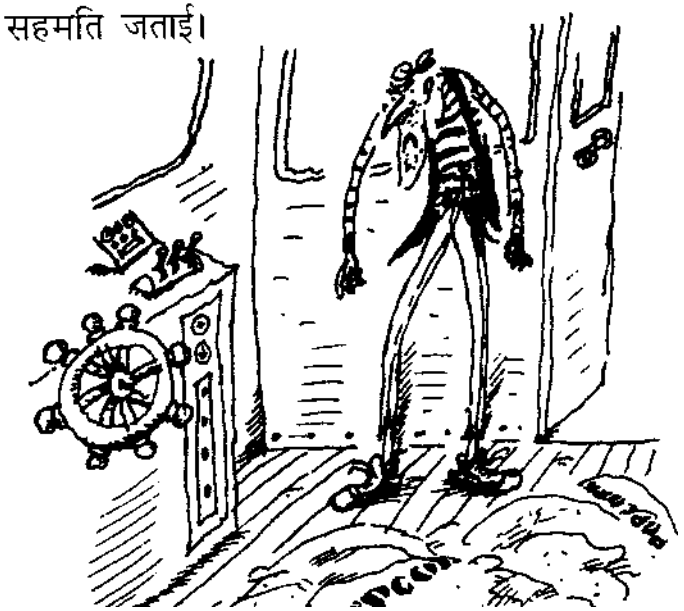

"क्यों नहीं, बर्ट? क्या पता हमारी क़िस्मत खुल जाए। मैं हमेशा यही कहता हूँ।"

लूसी ने हरमिथौन का हाथ कस कर पकड़ लिया। अब अंत क़रीब है, उसने सोचा—वे हमें ज़रूर खोज निकालेंगे।

छत पर लोगों के चलने के कंपनों को वे लकड़ी के तख़्तों में से महसूस कर सकते थे। तभी पैरों की आवाज़ थम गई।

"इन बोरों में क्या है?" बर्ट ने पूछा।

"कुछ भी नहीं," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा। यह कहते हुए उनकी आवाज़ डर से थोड़ी-सी लड़खड़ाई। "ये पॉपकौर्न के कुछ पुराने बोरे हैं।"

फिर स्टिंगर ने कहा, "हम चाहें तो यहाँ पूरा दिन बिता सकते हैं। चलो, अब चलें।"

और उसी क्षण बिस्कुट भौंका।

इसके लिए बिस्कुट को दोष देना ग़लत होगा। अब तक वह बिलकुल चुपचाप था, परंतु अंत में एक छोटे कुत्ते के लिए यह सब बर्दाश्त के बाहर हो गया और वह भौंक पड़ा। उसने उनमें से एक समुद्री डाकू की आवाज़ को पहचान लिया था और बिस्कुट बहुत ग़ुस्से में था। इनकी कैसे हिम्मत हुई जहाज़ पर दुबारा वापस आने की? कोई भी आत्म-सम्मानी कुत्ता डाकुओं को ऐसा कभी नहीं करने देता।

"वाह!" स्टिंगर चिल्लाया, "मुझे लगता है कि अब तुम कहोगे कि यह तो जहाज़ की बिल्ली की आवाज़ है! चलो, हम ज़रा जाकर देखें।"

फिर जिस बोरे से सैम ढँका था उसे किसी ने उठाया और उसके नीचे लड़के और कुत्ते को

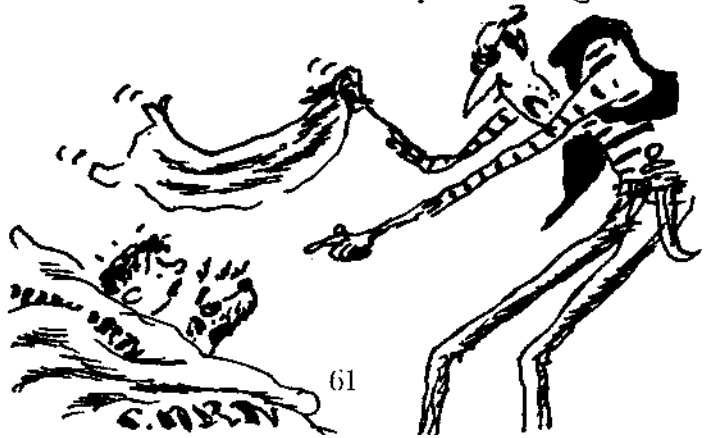

छिपा पाया। फिर स्टिंगर ने हाथ के एक झटके से उस बोरे को भी खींचा जिसके नीचे लूसी और हरमियौन छिपे थे। दोनों ज़मीन पर सिकुड़े पड़े थे।

"अहा!" बर्ट चिल्लाया, "अरे देखो, यहाँ क्या-क्या है? यहाँ तो कई छुपे रुस्तम निकले, कप्तान! लगता है, अभी तक तुम हमसे लगातार झूठ बोल रहे थे।"

"इन लोगों को तुम बिलकुल मत छुओ," कप्तान ने कहा, "तुम जिस चीज़ के लिए आए थे वह तुम्हें मिल चुकी है। अब तुम लोग हमें छोड़ कर जाओ।"

बर्ट ने अपना सिर हिलाया।

"अरे, नहीं," उसने कहा, "हमें लगता है कि जितनी हमें उम्मीद थी हम उससे अधिक माल ले कर जाएँगे। तुम क्या सोचते हो?"

फिर उसने स्टिंगर की ओर देखा। स्टिंगर देखने में काफ़ी दुष्ट लगा। उसका चेहरा लंबा था और उसके होंठ एक क्रूर मुस्कान में नीचे को मुड़े हुए थे।

"अपने जहाज़ पर कुछ और रसोईए हों तो

अच्छा होगा," उसने लूसी और हरमियौन की ओर इशारा करते हुए कहा, "और जहाँ तक इस लड़के की बात है वह मस्तूल पर चढ़ने के काम आएगा। इस जैसे लड़के उन जगहों पर पहुँच जाएँगे जहां हम ख़ुद नहीं जा सकते। उन्हें ऊँचाइयों पर चढ़ना अच्छा लगता है।"

"ख़्याल अच्छा है," बर्ट ने कहा, "चलो, अब हम कप्तान को यहाँ पर बाँध देते हैं। हम नहीं चाहते कि उनके दिमाग़ में हमारा पीछा करने का कोई ख़ुराफ़ाती विचार आए, क्यों है न?"

बच्चे मदद करने की स्थिति में नहीं थे। कप्तान फ़ोस्टर कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहते थे जिससे बच्चों को किसी तरह का कोई नुक़सान पहुँचे। उनके पास कोई चारा नहीं था और डाकुओं ने स्टेयरिंग वाले कमरे में उनके बैठने वाली कुर्सी से उन्हें कसकर बाँध दिया। फिर दूसरे डाकुओं को चलने के लिए आदेश देकर बर्ट और स्टिंगर बच्चों को लेकर जहाज़ की छत पर गए। वहाँ बच्चों को, डाकुओं के जहाज़ की छत पर पॉपकौर्न के बोरों की तरह फेंक दिया गया।

बच्चे जहाज़ की छत पर सहमे हुए एक-दूसरे के साथ पड़े रहे। इतनी देर में डाकू अपने जहाज़ को चलाने की तैयारी में लगे। कुछ देर बाद जब पॉपकौर्न का जहाज़ बहुत दूर हो गया तब स्टिंगर बच्चों को, बर्ट के कमरे में ले गया। बर्ट उन डाकुओं का सरगना लगता था और शायद इसलिए उसका कमरा जहाज़ में सबसे आलीशान था।

"अच्छा," बर्ट ने एकदम व्यावसायिक लहजे में लूसी की ओर इशारा करके कहा, "तुम दोनों लड़कियाँ रसोईघर में जाना। वहाँ तुम श्रीमती बर्ट से कहना कि तुम उनकी सहायक हो। यह तुम्हारा नया पेशा होगा। अब देखूँ, तुम्हें कितनी तनख़्वाह मिलेगी? नई नौकरी के समय हरेक को उसकी तनख़्वाह बताई जाती है। इसलिए तुम्हारी औकात कितनी होनी चाहिए? रोज़ दस घंटे काम, और हरेक घंटे के लिए... इतने रुपए से बने..."

"कुछ नहीं बना, बॉस," स्टिंगर ने हँसते हुए कहा।

"बहुत ख़ूब, स्टिंगर," बर्ट ने कहा, "तुम हमेशा से ही गणित में बहुत तेज़ थे। दुख यह है कि बाक़ी चीज़ों में तुम उतने ही बेवकूफ़ हो।"

स्टिंगर हँसा।

"बस आपके ही भेजे में कुछ दिमाग़ है, बर्ट!" उसने हंसते हुए कहा, "मुझे यह हमेशा से पता था।"

"तुम्हारा बहुत शुक्रिया, स्टिंगर!" बर्ट ने कहा! "इसीलिए आज मैं जहाँ हूँ वहाँ मैं पहुँच पाया हूँ। दिमाग़ के कारण। मेरे अनुसार दिमाग़ का कोई विकल्प नहीं है।"

फिर उसने सैम की ओर मुँह किया। सैम के पैर डर के मारे थरथरा रहे थे, जिन्हें वह छिपाने की कोशिश कर रहा था।

"अच्छा अब, लड़के! तुम्हारे साथ हम क्या कर सकते हैं? क्या तुम ऊँचाई पर चढ़ सकते हो? अगर हाँ, तो ठीक है, नहीं तो मुझे अफ़सोस है कि

तुम्हें समुद्र में गिरना होगा। डाकुओं का जहाज़ कभी वापस नहीं जाता। और अगर कोई आदमी समुद्र में गिर जाए तो, मुझे डर है कि फिर शार्क ही उसकी दोस्त होंगी। मैंने शार्कों को बहुत-से आदमियों को खाते हुए देखा है। क्यों है न, स्टिंगर?"

"अरे, हाँ," स्टिंगर इस बात को सोचकर मुस्कुराया। "बूढ़ी शार्कों को नाश्ते में अगर एक नौजवान लड़का मिल जाए तो फिर उन्हें बड़ा मज़ा आएगा। शायद वे उसे दोपहर के खाने में भी खाएँ।"

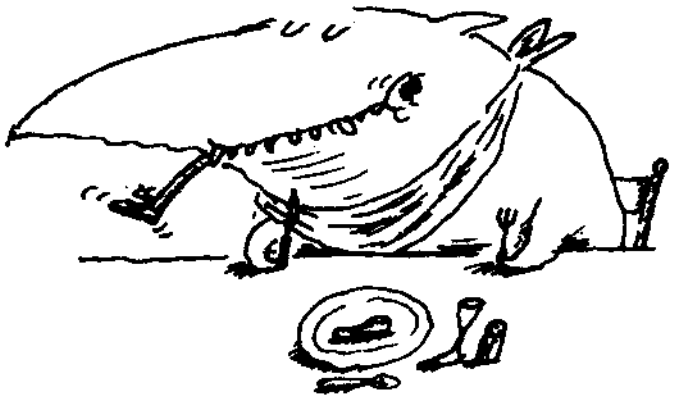

"इसलिए तुम ऊपर चढ़ते समय उन रस्सियों को ख़ूब कस कर पकड़े रखना," बर्ट ने कहा, "क्योंकि अगर तुमने ऐसा नहीं किया तो फिर जैसे स्टिंगर ने कहा है, तुम शार्कों का खाना बनोगे।"

बर्ट के साथ मुलाक़ात ख़त्म होने के बाद बच्चों को उनके नए कामों पर लगा दिया गया। रसोई में लूसी और हरमियौन की भेंट श्रीमती बर्ट से हुई जो एक धारीदार ऐप्रन पहने थीं। उनके दाँत नक़ली थे, जो बर्तनों के पास एक गिलास में रखे थे। किसी भी चीज़ को चखने से पहले उन्हें अपने नक़ली दाँत लगाने पड़ते। वह लड़कियों के साथ बदतमीज़ी से पेश नहीं आईं। अगर लड़कियों ने मेहनत से काम किया तो दिन ख़त्म होने पर श्रीमती बर्ट ने उन्हें एक-एक केक का टुकड़ा देने का वादा भी किया।

एक डाकू सैम को मस्तूल के पास ले गया और उसने उससे ऊपर चढ़कर कुछ रस्सियों को कसने का आदेश दिया। यह एक बहुत कठिन काम था और नीचे खड़ा डाकू सैम की ग़लतियों पर बार-बार चिल्लाता रहा, परंतु उससे भी बुरी बात यह थी कि जहाज़ इस दौरान लगातार आगे-पीछे हिचकोले खाता रहा। जब सैम पाल वाले आड़े बाँस पर गया तो उसे लगा कि वह पानी की ओर तेज़ी से गिर रहा है। पर तभी अचानक न जाने कैसे वह दुबारा झूल कर अपने आप ऊपर आ गया।

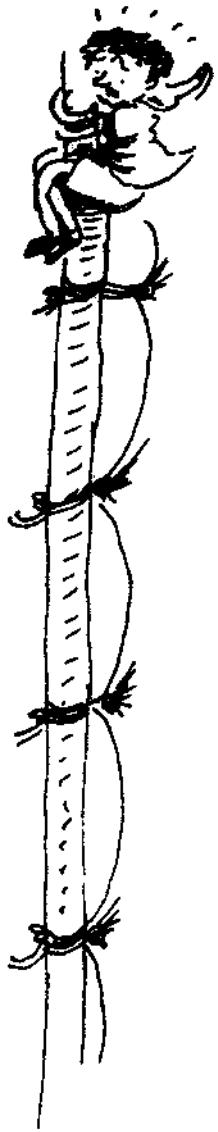

दिन समाप्त होने पर श्रीमती बर्ट ने रसोई की मेज़ पर बच्चों को खाना दिया। वे इतने थक गए थे कि उनका खाने का भी मन नहीं कर रहा था। लूसी और हरमियौन बिस्तर पर आराम

करने की सोच रही थीं। उन्हें रसोई के पास वाले कमरे में हैमक—झूलेदार पलंग—दिए गए थे। सैम के लिए पलंग नहीं था और उसे रसोई में मेज़ के नीचे सोना था, जहाँ उसके लिए एक कंबल रखा था।

"तुम्हें लगता है क्या, कोई हमें बचाने के लिए आएगा?" हरमियौन ने पूछा, "मैं अपनी सारी ज़िंदगी यहाँ बिताने की सोच नहीं सकती।"

"मुझे नहीं पता," लूसी ने कहा, "मैं कप्तान फ़ोस्टर के बारे में चिंतित हूँ। क्या कोई उन्हें समय पर ढूँढ पाएगा, या फिर बिस्कुट उन्हें दुबारा छुड़ाएगा? अगर बिस्कुट स्टेयरिंग वाले कमरे में ही नहीं घुस सका तो फिर क्या होगा?"

हरमियौन के पास इन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं था और न ही सैम के पास। सैम बैठे-बैठे कुर्सी पर ही सो गया था। फिर बाद में उसे दोनों लड़कियों ने उठाकर ज़मीन पर बिछे कंबल पर लिटाया।

6

छुपा रुस्तम

बच्चे सुबह छह बजे उठ गए और अपने-अपने काम पर लग गए। लूसी और हरमियौन को रसोई साफ़ करने और सारे बर्तनों को माँजने का काम दिया गया। सैम को जहाज़ की छत साफ़ करनी थी। यह एक ऐसा काम था जो कभी ख़त्म होने का नाम ही नहीं लेता था।

डाकू बेहद ख़ुश थे कि उनके लिए यह काम

कोई और कर रहा था। दरअसल सभी डाकू बड़े कामचोर थे। बर्ट पूरे दिन अपने कमरे में बैठकर लोगों पर बस हुक्म चलाता था। स्टिंगर इधर-उधर घूम कर यह देखता कि लोग आदेशों का पालन कर रहे हैं, या नहीं। इनके अलावा चार और डाकू थे जिनके नाम थे बिल, एड, चार्ली और टॉमी और उन्हें जहाज़ की छत पर मटरगश्ती करने में ही सबसे ज़्यादा मज़ा आता था। वे वहाँ दिन भर बैठे लकड़ियाँ तराशते और जहाज़ के छज्जे से बाहर थूकते रहते।

सैम को ये डाकू काफ़ी भयानक क़िस्म के लगे। चार्ली के चेहरे और हाथों पर कई जगह

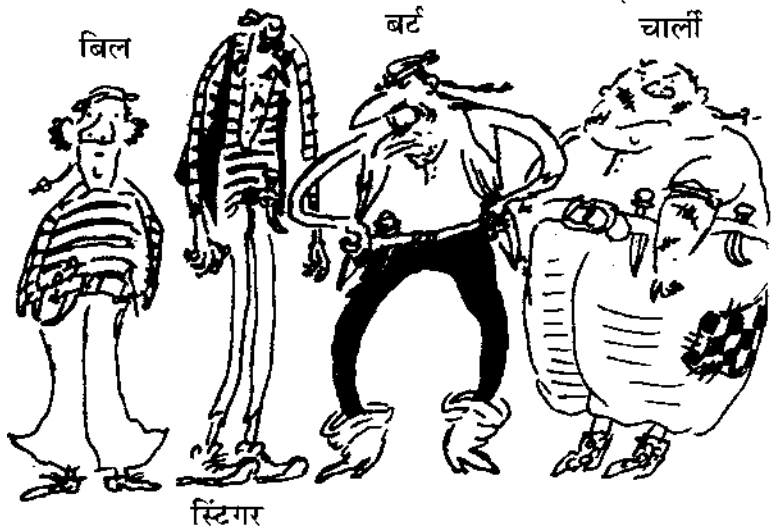

लड़ाइयों के निशान थे और टॉमी के दाँत एकदम काले थे और उसकी ठोढ़ी पर नुकीली दाढ़ी थी। उसे देखकर ऐसा लगता था मानो उसने एक कँटीला कैक्टस खा लिया हो। अगर ऐसा सच में होता तो भी सैम को इसमें कोई आश्चर्य नहीं होता, क्योंकि टॉमी को दिनभर जो भी मिलता, वह उसे चबाता रहता—गन्ने, श्रीमती बर्ट द्वारा बनाए विशेष व्यंजन और न जाने क्या-क्या। बिल और एड इन दोनों जितने ख़ौफ़नाक नहीं थे, परंतु उन दोनों के हर कान में छह-सात सोने की बालियां थीं और जब वे चलते थे तो बालियाँ झंकारती थीं।

सैम को जहाज़ की छत पर सफ़ाई करते समय बीच में कुछ आराम का समय मिल जाता था—ख़ासकर जब स्टिंगर नीचे गया होता और उसका चिल्लाना बंद होता। एक बार जब सैम इसी तरह रस्सियों के एक पुलिंदे के सहारे आराम कर रहा था तभी कहीं से एक आवाज़ आई जिसे सुनकर उसका दिल उछल पड़ा। आवाज़ एकदम भौंकने की तो नहीं थी, परंतु फिर भी कुछ-कुछ वैसी ही लग रही थी।

सैम ने झट से पीछे मुड़कर देखा। वह आवाज़ रस्सियों की ढेरी के बीच में से आ रही थी और जब उसने उसमें झाँक कर देखा तो उसका दिल एकदम उछल पड़ा। वहाँ बिस्कुट था! सैम ने अपने होंठों पर उँगली रखकर बिस्कुट को चुप रहने का इशारा किया। ऐसा लगा जैसे उस छोटे कुत्ते ने उसकी बात समझ ली हो, क्योंकि उसने भौंकना एकदम बंद कर दिया और चुपचाप वहीं पर लेट गया।

"तुम वहीं पर रहो!" सैम ने उससे फुसफुसाते हुए कहा, "और कोई भी आवाज़ मत करो।"

सैम ने इधर-उधर देखा। स्टिंगर का कहीं भी अता-पता नहीं था और दूसरे डाकुओं को उसके काम में कोई दिलचस्पी नहीं थी। चार्ली अपने चाकू में धार लगा रहा था और ऐसा करते वक़्त सीटी बजा रहा था। टॉमी जहाज़ के सबसे आगे वाले हिस्से में बैठा एक केक का मोटा टुकड़ा खा रहा था।

सैम जहाज़ की छत के पीछे वाले भाग में गया और उसने रसोई के दरवाज़े में झाँक कर देखा।

अंदर एकदम अँधेरा था और उसको अपनी आँखों को अभ्यस्त करने में कुछ समय लगा। पर जब उसने देखा तो पाया कि लूसी और हरमियौन मेज़ पर बैठकर बर्तनों की सफ़ाई कर रही थीं।

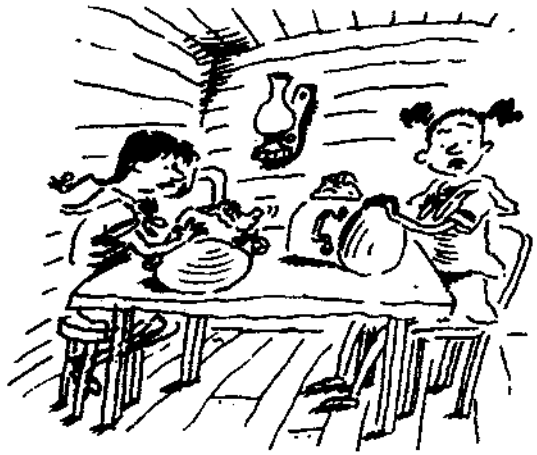

"चुप!" सैम ने कहा, "लूसी! चुप!"

लूसी ने जब घूमकर देखा तो उसने अपने भाई को दरवाज़े पर खड़ा पाया।

"सब ठीक है," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "श्रीमती बर्ट अभी नहीं हैं। तुम अंदर आ जाओ।"

सैम दौड़कर रसोई में गया और उसने अभी-अभी जो देखा था वह बात उसने दोनों लड़कियों को बताई।

"परंतु वह यहाँ आया कैसे?" हरमियौन ने पूछा, "क्या उनमें से कोई डाकू उसे यहाँ लाया?"

"नहीं," लूसी ने कहा, "किसी का उस पर ध्यान ही नहीं था। मुझे लगता है कि सबकी निगाह बचाकर बिस्कुट इस जहाज़ में कूद कर आ गया होगा।"

"अच्छा, यह बताओ कि अब हम क्या करें?" सैम ने पूछा, "अगर डाकूओं ने उसे ढूँढ लिया तो वे शायद उसे समुद्र में फेंक दें या फिर कुछ ऐसा ही करेंगे।"

"हम उसे छिपाकर अपने कमरे में ले आएँगे," लूसी ने कहा, "डाकू उसे वहाँ पर नहीं ढूँढ पाएँगे। क्या तुम बिस्कुट को हमारे कमरे में ला सकते हो, सैम?"

सैम ने कहा कि वह कोशिश करेगा। उसके दिमाग़ में एक विचार आया। उसे उम्मीद थी कि उससे काम बन जाएगा। वह वापस जहाज़ की छत पर गया और सबसे पहले छज्जे से बाहर समुद्र में झाँकने लगा।

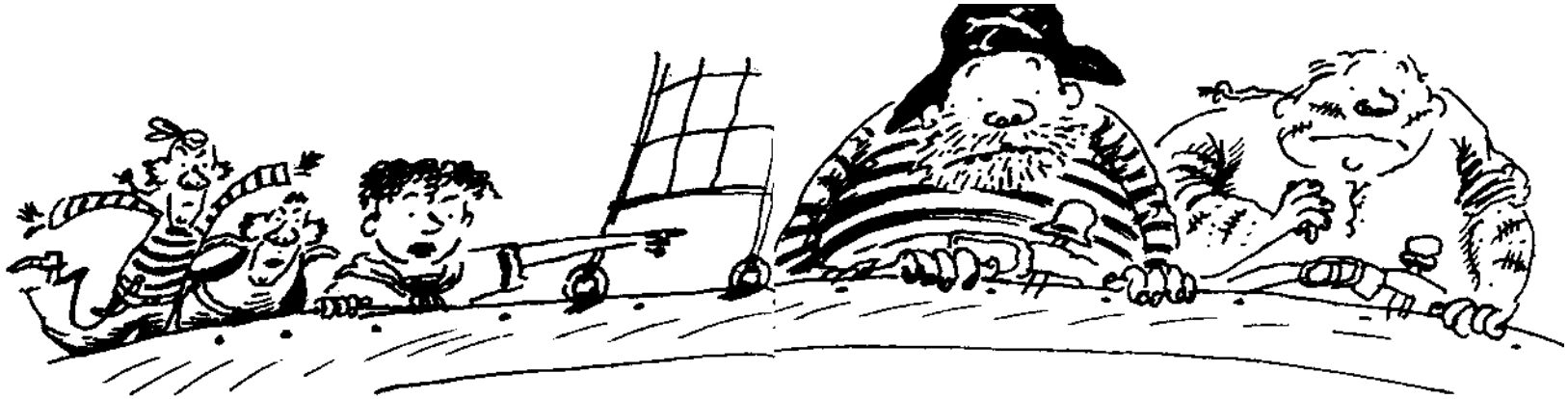

कुछ देर बाद वह अपने हाथों को आँखों के पास इस तरह लाया जैसे वह किसी चीज़ को देखने की कोशिश कर रहा हो। और जब उसे लगा कि अब समय ठीक है तो गला फाड़ कर चिल्लाया: "देखो उधर, एक जहाज़ हमारी तरफ़ तेज़ी से आ रहा है!"

यह सुनते ही सारे डाकू तेज़ी से सैम की ओर दौड़ते हुए आए।

"कहाँ?" टॉमी चीख़ा, "तुमने कहाँ देखा जहाज़?"

"वहाँ पर," सैम ने कहा, और उसने दूर किसी दिशा में इशारा किया। "वहाँ पर! देखो, मुझे उसका मस्तूल नज़र आ रहा है।"

"कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा," चार्ली ने ग़ुस्से में कहा।

"लड़के की निगाह ज़रूर तेज़ होगी," टॉमी ने कहा, "क्या तुमने पक्की तौर पर किसी जहाज़ को देखा?"

"हाँ," सैम ने कहा, "देखो, वह वहाँ है! क्या आपको वह दिख रहा है?"

"नीचे जाओ और कप्तान बर्ट को बुलाकर लाओ," टॉमी ने कहा, "उनसे कहना कि एक जहाज़ सीधे हमारी ओर आ रहा है। हम यहीं पर खड़े होकर तब तक पहरा देंगे।"

सैम उन डाकुओं के बीच से सटक लिया। वे सभी दूर जहाज़ को देखने में लगे थे और सैम

क्या कर रहा है इसमें अब उनकी कोई रुचि नहीं थी। सैम उस जगह पर गया जहाँ बिस्कुट छिपा था। फिर उसने कुत्ते को उठाया और वह उसे लेकर तेज़ी से रसोई की ओर दौड़ा। लूसी और हरमियौन अभी भी अकेली ही थीं। उन्होंने सैम से बिस्कुट को लिया और वे उसे अपने कमरे में छिपाने के लिए ले गईं।

सैम ने अब बर्ट के कमरे का दरवाज़ा खटखटाया। बर्ट ने रूखी आवाज़ में उसे अंदर आने को कहा। जब वह अंदर गया तो उसने बर्ट और स्टिंगर दोनों को एक मेज़ पर ताश खेलते और शराब पीते हुए पाया।

"एक जहाज़ हमारी ओर आ रहा है," उसने बर्ट को सलाम करते हुए कहा, "मिस्टर टॉमी ने कहा है कि मैं आपको इसकी सूचना दूँ।"

बर्ट और स्टिंगर ने ताश के पत्ते फेंक दिए और वे सैम को एक ओर धक्का देते हुए सीधे जहाज़ की छत की ओर दौड़े। फिर दस मिनट तक बर्ट दूरबीन से जहाज़ को खोजता रहा। यह दूरबीन उसने कप्तान फ़ोस्टर से चुरायी थी। उसके बाद बर्ट ने अपना सिर हिलाया।

"तुमने ख़तरे से हमें आगाह किया, यह अच्छा किया," उसने सैम का सिर थपथपाते हुए कहा, "वैसे इस बार ख़तरे का अलार्म ग़लत निकला। परंतु लगता है, तुममें एक अच्छा समुद्री डाकू बनने की क्षमता है। अगर तुमने मेहनत से काम किया तो एक दिन ज़रूर इस धंधे में शामिल हो जाओगे। क्यों है न, स्टिंगर?"

"हम जहाज़ पर से एक छोटी नाव को ले सकते हैं," सैम ने कहा, "फिर रात के अँधेरे में हम उसे जहाज़ से नीचे उतार कर उस नाव को लेकर दूर भाग सकते हैं।"

लूसी ने अपना सिर हिलाया। "यह ठीक नहीं है," उसने कहा, "हम लोग ज़मीन से बहुत दूर हैं और इस तरह भाग कर हम कहीं के नहीं रहेंगे।"

"हम एक बोतल में अपना संदेश लिखकर उसे समुद्र में फेंक सकते हैं," हरमियौन ने सुझाव दिया, "अगर किसी को वह बोतल मिलेगी तो वह ज़रूर हमें बचाने के लिए आएगा।"

परंतु लूसी को यह योजना भी कोई ख़ास काम की नहीं लगी। "हो सकता है, इसमें कई साल बीत जाएँ," उसने कहा, "तब तक बहुत देर हो जाएगी।"

कुछ देर वे चुपचाप सोचते रहे। फिर लूसी मुस्कुराई।

"मेरे दिमाग़ में एक योजना आई है," उसने कहा, "अगर हम किसी पर हावी होना चाहते हों तो हमें क्या करना चाहिए?"

वह उत्तर का इंतज़ार करती रही, परंतु बाक़ी दोनों के पास इस प्रश्न का कोई जवाब नहीं था।

"हमें दुश्मन की कमज़ोरियों के बारे में सोचना चाहिए," लूसी ने कहा, "और इन डाकुओं की सबसे बड़ी कमज़ोरी क्या है?"

"ये सब बड़े लालची हैं," सैम ने कहा, "ख़ासकर टॉमी।"

"हाँ," लूसी ने कहा, "और तुमने देखा कि ये दोनों जिनके कानों में बालियाँ हैं, कैसे भूखे कुत्तों की तरह खाते हैं? उन्हें देखकर ख़राब लगता है।"

"और वे सभी बड़े आलसी भी हैं," हरमियौन ने कहा, "इसी कारण तो वे समुद्री डाकू बने हैं जिससे उन्हें एक दिन भी मेहनत-मज़दूरी न करनी पड़े।"

सभी डाकू इस मज़ाक पर ठहाका मार कर हँसे, परंतु लूसी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

"हम आप लोगों के लिए कुछ करना चाहते हैं," उसने कहा।

यह सुनते ही सभी डाकू एकदम चुप हो गए।

"हमारे लिए कुछ करना चाहते हैं!" बर्ट ने कहा, "हाँ, चलो ठीक है। बताओ कि तुम लोग क्या करना चाहते हो?"

"हम लोग आपके लिए कुछ पॉपकौर्न पकाना चाहते हैं," लूसी ने कहा, "देखिए, यह पूरा जहाज़ पॉपकौर्न से लदा है और हम चाहते हैं कि आप कम-से-कम एक बार पॉपकौर्न का स्वाद तो चखें। आप जानते ही हैं कि हम लोग पॉपकौर्न द्वीप के निवासी हैं, इसलिए सारी दुनिया में हमसे अच्छा पॉपकौर्न पकाना किसी को नहीं आता।"

डाकू एक-दूसरे का चेहरा ताकने लगे। लालच : वे लोग स्वादिष्ट पॉपकौर्न खाने की इच्छा को रोक नहीं पाए। और आलसीपना : कोई दूसरा इंसान यह काम उनके लिए करे।

"ठीक है, मैं कहना चाहता हूँ कि ये बच्चे इतने बुरे नहीं हैं," बर्ट ने कहा, "तुम हमारे लिए यह छोटा-सा काम ज़रूर करो। क्यों, तुम लोगों की क्या राय है, साथियो?"

बाक़ी सारे डाकुओं ने सहमति में अपना-अपना सिर हिलाया।

"क्या हम इसे कल दोपहर के खाने के लिए बना सकते हैं?" लूसी ने पूछा, "अगर आप कल सुबह के समय हमें छुट्टी दें तब हम सब तैयारियाँ पूरी करके रखेंगे।"

"ठीक है," बर्ट ने कहा, "यह सब एक अच्छे काम के लिए ही तो है। परंतु इसके लिए तुम लोगों को दोपहर के बाद दुगनी मेहनत से काम करना पड़ेगा। क्यों, है मंज़ूर?"

फिर लूसी उन्हें भोजन करने के लिए छोड़कर अपने साथियों के पास वापस गयी।

"योजना काम कर रही है," उसने कहा, "वे राज़ी हो गए। अब हमें कल सुबह सब तैयारियाँ करनी होंगी।"

उस रात अपने झूलेनुमा बिस्तरों या ज़मीन पर कंबल के ऊपर लेटे वे तीनों ही अगले दिन की योजना के बारे में सोच रहे थे। यह एक असाधारण योजना थी, जिसके सफल होने की कुछ संभावना तो थी। परंतु अगर वह फेल हुई तो... छोड़ो, अभी उसके बारे में सोचने की उनमें ताक़त नहीं थी।

अगले दिन टॉमी दोनों लड़कियों के साथ जहाज़ के गोदाम में से, दोपहर के खाने के लिए पॉपकौर्न लेने गया।

"हमें एक पूरे बोरे की ज़रूरत पड़ेगी," लूसी ने एक बहुत बड़े पॉपकौर्न के बोरे की ओर इशारा करते हुए कहा।

टॉमी को थोड़ा-सा शक हुआ, परंतु लालच और पेट की भूख ने उसके शक पर अंकुश लगा दिया।

"ठीक है," उसने कहा, और फिर वह बोरे को अपने कंधों पर उठाकर रसोई में ले गया। "पके पॉपकौर्न के विचार से ही मेरे मुँह में पानी आ रहा है। देखो, पका पॉपकौर्न एकदम स्वादिष्ट होना चाहिए। नहीं तो मेरे सभी साथियों को बहुत गुस्सा आएगा और फिर हम शायद तुम सबको उठा कर समुद्र में शार्कों के लिए फेंक दें।"

सैम रसोई में उनका इंतजार कर रहा था।

उस सुबह बच्चों को कोई काम नहीं था। क्योंकि दोपहर को पॉपकौर्न पार्टी थी, इसीलिए श्रीमती बर्ट ने भी खाना बनाने का इरादा छोड़ दिया। इसलिए तैयारियाँ करते समय बच्चों को धीमी आवाज़ में फुसफुसाने की कोई ज़रूरत नहीं थी। वह बिस्कुट को भी उसके छिपे स्थान से वहाँ ले आए जिससे उछल-कूद करने से उसके पाँव सीधे हो सकें।

सबसे पहले वे स्टोव को रसोई के बीच में लाए। यह कोई बहुत कठिन काम नहीं था, क्योंकि स्टोव पहियों पर था और सही स्थान पर रखने के बाद उसके पहियों में ताला लगाया जा सकता था। स्टोव को सही जगह पर रखने के बाद, सैम और लूसी गुसलखाने में गए और वहाँ से उस बड़े टब को उठाकर लाए जिसमें सारे डाकू नहाते थे। उन्होंने टब को पहले रगड़-रगड़ कर साफ़ किया और फिर उसे स्टोव के ऊपर रख दिया।

"अब हमें टब में बस तेल लौटना है," लूसी ने कहा, "फिर हम बाद में उसमें पॉपकौर्न डालेंगे।"

बच्चे रसोई में गए और वहाँ की अल्मारी में से तेल की कई बड़ी बोतलें निकाल कर लाए। इस तेल को उन्होंने उस बड़ी कड़ाही यानी टब में उँड़ेल दिया। तेल पड़ने के बाद टब एक सुनहरा और चिकना ताल बन गया।

"अब चलो," लूसी ने कहा, "अब हम इसमें पॉपकौर्न डालें।"

उस पॉपकौर्न के बोरे में बहुत अधिक मात्रा में पॉपकौर्न था और जब उन्होंने उस सारे पॉपकौर्न को टब में डाल दिया तो पूरा टब ऊपर तक पॉपकौर्न से लबालब भर गया।

लूसी ने कुछ दूर हट कर पूरे काम का निरीक्षण किया।

"मुझे लगता है कि अब हम तैयार हैं," उसने कहा, "चलो अब हम बिस्कुट को वापिस अपने कमरे में छिपा देते हैं। फिर हम दोपहर के खाने का समय होने का इंतज़ार करेंगे।"

दोपहर के खाने में अब केवल एक घंटा ही बचा था। परंतु बच्चों को एक-एक सेकेंड गुज़ारना मुश्किल हो रहा था। अंत में रसोई में लगी घड़ी में ठीक बारह बजे। बच्चों को लगा कि अब अगर वह न भी चाहें तो भी उन्हें उस योजना पर अमल करना ही होगा।

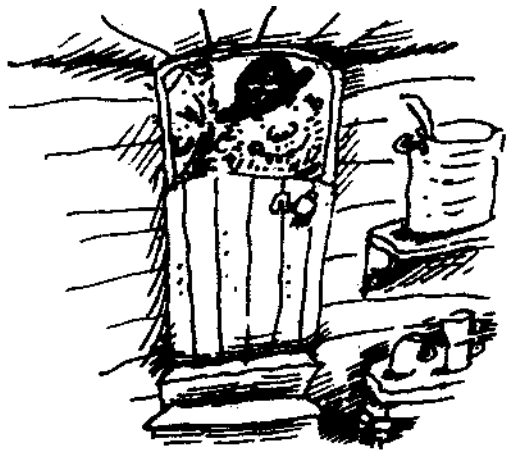

8

ढेर सारा पॉपकौर्न

डाकुओं को भोज के बारे में बताने की कोई ज़रूरत नहीं थी। ठीक बारह बजे टॉमी रसोई के दरवाज़े पर हाज़िर था और भूखी निगाहों से टब में पड़े कच्चे पॉपकौर्न को निहार रहा था।

"अरे बाप रे!" वह खाने के इंतज़ार में अपने पेट को सहलाते हुए चिल्लाया, "यह देखने में बड़ा अच्छा लग रहा है।"

बाक़ी अन्य लोग भी तुरंत उसके बाद आ गए। श्रीमती बर्ट सबसे आख़िर में बैठीं, क्योंकि उन्हें अपने नक़ली दाँतों को खोजने में कुछ वक़्त लगा। अंत में दाँत एक तवे पर रखे मिले और फिर सभी लोग तैयार हो गए। सभी लोग अच्छे मूड में थे और बेसब्री से एक असाधारण भोज का इंतज़ार कर रहे थे।

"आपके आलुओं से हमें आज कुछ अलग खाने को मिलेगा, श्रीमती बर्ट!" स्टिंगर ने कहा।

श्रीमती बर्ट ने उसे गुस्से से देखा। "मेरे आलुओं में क्या ख़राबी है? क्यों, बताओ, बर्ट?"

बर्ट मुस्कुराया। "कुछ भी नहीं, प्रिय! पर मैं सिर्फ़ इतना कहना चाहता हूँ कि मुझे कभी-कभी पॉपकौर्न खाना बेहद पसंद है।"

लूसी थोड़ा आगे आई और उसने ताली बजाई।

"आदरणीय मेहमानो!" उसने कहा।

"इसका व्यवहार काफ़ी अच्छा है," बर्ट ने कहा, "यह बच्चे अपने से बड़ों के साथ इज़्ज़त से पेश आते हैं। मुझे लगता है कि हमने इन्हें चुरा कर बड़ा अच्छा काम किया... मेरा मतलब है, जब हमने इन बच्चों को अपने जहाज़ पर आमंत्रित किया।"

लूसी ने बर्ट की बात ख़त्म होने तक इंतज़ार किया। फिर उसने कहा, "आपकी भलाई का शुक्रिया अदा करने के लिए हमने आपके लिए पॉपकौर्न द्वीप का एक परंपरागत भोज तैयार किया है। मुझे अब केवल स्टोव को जलाना है और फिर चंद मिनटों में यहाँ पर स्वादिष्ट पॉपकौर्न हाज़िर होगा और आप जितना चाहें उतना पॉपकौर्न खा सकेंगे।"

"फिर इसमें देरी क्यों? शुरू करो," बर्ट ने अधीरता के साथ कहा, "हम सभी लोग इंतज़ार कर रहे हैं।"

लूसी आगे आई और उसने स्टोव को जलाया।

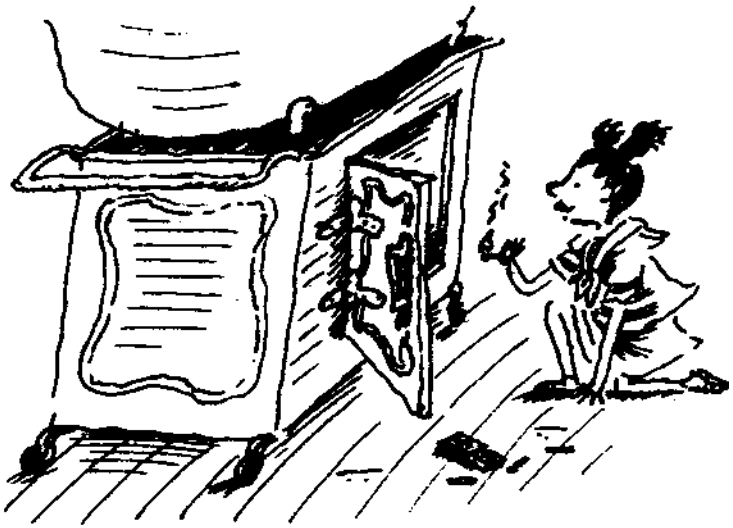

फिर तीनों बच्चे रसोई के दरवाज़े के पास जाकर खड़े हो गए। डाकू भूखी आँखों से देखते रहे।

"देखो, खाना पकने में ज़्यादा देर नहीं लगे," टॉमी ने कहा, "मैंने इस भोज के इंतज़ार में आज सुबह नाश्ता तक नहीं किया।"

"मैं माफ़ी चाहती हूँ," श्रीमती बर्ट ने कहा, "पर मैंने तुम्हें सुबह एक घोड़े जैसे खाते हुए देखा था। तुमने चार अंडे और डबलरोटी के आठ टुकड़े खाए थे। मैंने तुम्हें यह सब खाते हुए देखा था, टॉमी! तुम मुझे पागल नहीं बना सकते। क्यों, बर्ट?"

"नहीं," बर्ट ने कहा, "तुम श्रीमती बर्ट को धोखा नहीं दे सकते। मैंने सालों से उन्हें चकमा देने की कोशिश की है, परंतु मैं इसमें नाकामयाब रहा हूँ। उन्हें कोई भी पागल नहीं बना सकता।"

जब डाकुओं की आपस में नोक-झोंक चल रही थी तब बच्चे पहले पॉपकौर्न के फटने का इंतज़ार कर रहे थे। अचानक सैम ने लूसी को कोहनी मारी और लूसी ने हरमियौन को कोहनी मारी।

पॉपकौर्न द्वीप के पॉपकौर्न की एक विशेषता यह है कि वे ज़ोरदार 'पॉप' की आवाज़ के साथ फटते हैं। और यह सब एकदम अचानक होने लगा और उन आवाज़ों को सुनकर डाकुओं की ख़ुशी का ठिकाना न रहा। जैसे-जैसे फूले हुए पॉपकौर्न सतह पर आते डाकू उन्हें अपने हाथों से उठाते और झट से मुँह में रखकर चबा जाते।

"अरे, ये तो खाने में बड़े स्वादिष्ट हैं!" टॉमी ने पूरी मुट्ठी भरके पॉपकौर्न अपने मुँह में डाले और बड़बड़ाया।

अब सभी लोगों के मुँह में पॉपकौर्न भरे थे और सभी पॉपकौर्न की तारीफ़ कर रहे थे। परंतु जैसे-जैसे और पॉपकौर्न फूटने लगे वैसे-वैसे एक असाधारण बात घटने लगी। बहुत सारे पॉपकौर्न एक-साथ फूटने लगे। वे एकदम आतिशबाज़ियों जैसे धमाका करके टब के बाहर बहने लगे। डाकुओं को पहले तो इसमें बड़ा मज़ा आया। वे अपने घुटनों और कोहनी के बल ज़मीन से पॉपकौर्न को हाथों में उठाते। परंतु वे इसे बहुत तेज़ी से नहीं कर पा रहे थे। इतनी देर में और पॉपकौर्न फूटते और फिर कुछ और। थोड़ी ही देर में पूरी रसोई फूटे हुए पॉपकौर्न से भरने लगी। डाकुओं के चारों ओर पॉपकौर्न थे और वे पॉपकौर्न से घिर गए थे।

"बचाओ!" अचानक श्रीमती बर्ट चिल्लाईं।

"इन पॉपकौर्नों को रोको! ये क़ाबू के बाहर हो गए हैं!"

किसी ने भी उनकी चीख़ को नहीं सुना। कम-से-कम बच्चों ने तो नहीं। अब उन्होंने रसोई का दरवाज़ा बंद कर दिया और वे बाहर जहाज़ की छत पर खड़े होकर डाकुओं को खिड़की में से देखने लगे। उन्होंने जो कुछ भी देखा वह अचरज में डालने वाला था। डाकू चाहे जितना दम लगाके खड़े होने की कोशिश करते परंतु फूटते हुए पॉपकौर्न उन्हें बार-बार नीचे गिरने को मजबूर कर देते। यह बिलकुल शहद में तैरने जैसी बात थी—एकदम असंभव।

"योजना सफल रही!" हरमियौन चिल्लाई, "वे लोग अब फँस गए हैं।"

लूसी ने अब झट से रसोई के दरवाज़ा का ताला लगाया और डाकुओं को अंदर बंद कर दिया। डाकू अब कुछ भी करने में असमर्थ थे। वे बहुत चीख़े-चिल्लाए और जब उन्हें अपनी हालत का पता चला तो उन्होंने अपने हाथों की मुट्ठियों को हवा में लहराया।

"हम तुम्हें मज़ा चखाएँगे!" स्टिंगर, पॉपकौर्न के एक बड़े पहाड़ के बीच में से चिल्लाया, "हम तुम्हें शार्क मछलियों को खिला देंगे।"

सारे डाकुओं को फंदे में फँसाना एक बात थी, परंतु जहाज़ को नियंत्रित करना उससे एक बिल्कुल अलग समस्या थी। अब उन्हें जहाज़ को मोड़कर पीछे की ओर जाना होगा। शायद इस तरह वे वहाँ वापस पहुँच जाएँ जहाँ उन्होंने आख़िरी बार कप्तान फ़ोस्टर के जहाज़ को देखा था। यह काम आसान नहीं था, क्योंकि उनमें से कोई भी जहाज़ चलाने के बारे में अच्छी तरह नहीं जानता था और यह समुद्री जहाज़ काफ़ी भीमकाय था।

"तुम ऊपर जाकर उन रस्सियों को खींचो," लूसी ने सैम से कहा, "हरमियौन और मैं..."

तभी वह रुकी। जब सब लोग पॉपकौर्न खाने के लिए बैठे थे तब भी जहाज़ अपनी दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा था। इसका मतलब है कि डाकुओं ने किसी को जहाज़ चलाने का ज़िम्मा सौंपा होगा—यानी रसोई के लोगों के अलावा भी एक आदमी और होगा!

लूसी ने जल्दी से रसोई की खिड़की में से झाँका। अब लगभग पूरा कमरा पॉपकौर्न से भर चुका था, इसलिए यह बताना मुश्किल था कि अंदर कौन-कौन था। बर्ट तो था ही—कम-से-कम उसका सिर तो अवश्य था—स्टिंगर और चार्ली गर्दन तक पॉपकौर्न में डूबे थे। उधर बिल अपने हाथों को ज़ोर-ज़ोर से हिला रहा था। उधर टॉमी पॉपकौर्न की एक प्रतिमा जैसी दिख रही थी—कम-से-कम उसका पेट तो टॉमी जैसा ही लगता था। परंतु एड का कोई भी अता पता नहीं था।

लूसी जल्दी से हरमियौन की ओर मुड़ी और उसने उसे अपनी खोज के बारे में बताया।

"एड ज़रूर जहाज़ का स्टेयरिंग थामे होगा," उसने कहा, "हमें इसके बारे में पहले ही सोचना..."

तभी उन्हें एक ज़ोरदार चिल्लाती आवाज़ सुनाई दी। आवाज़ जहाज़ की छत की दूसरी ओर से आ रही थी और कोई अपनी मुट्ठी को उनकी ओर हिला रहा था। यह एड था।

"यह सब क्या हो रहा है?" वह गुर्राया। "बाक़ी सब लोग कहाँ हैं? तुमने रसोई के दरवाज़े को बंद क्यों किया है?"

बच्चों को इससे एक गहरा झटका लगा। एड अब उनकी ओर दौड़ता हुआ आ रहा था। बच्चे इस स्थिति से निपटने में असमर्थ थे। वे उस डाकू से लड़ तो नहीं सकते थे, क्योंकि माना वह आलसी था परंतु था तो बहुत ताक़तवर। एड बच्चों को जल्दी ही अपने क़ब्ज़े में कर सकता था और फिर अपने साथियों को रसोई में से छुड़ा सकता था और फिर...

बिस्कुट दौड़ता हुआ आया और एड के सामने जाकर खड़ा हो गया। वह गुर्रा रहा था और अपना पूरा दम लगाकर भौंक रहा था। एड जहाँ था वहीं रुक गया और उस जोशीले छोटे-से कुत्ते को देखने लगा।

"मेरे रास्ते से हट, बेवकूफ़ जानवर," उसने गुस्से में कहा।

बिस्कुट को इस तरह का व्यवहार पसंद नहीं आया और वह हल्के से गुर्राया।

अब एड ने अपना एक पैर पीछे खींचा और बिस्कुट को लात मारने के लिए निशाना लगाया। दूसरे कुत्तों के साथ शायद यह चाल काम करती,

परंतु बिस्कुट तुरंत एक ओर को हो गया। एड ने इसकी कल्पना भी नहीं की थी। एक सेकेंड में एड का पैर उस छोटे, मगर जोशीले कुत्ते के मुँह में था।

"अरे बाप रे!" एड चिल्लाया, "अपने कुत्ते को हटाओ!"

इतनी देर में सैम वहाँ दौड़ता हुआ पहुँचा।

"खींचो, बिस्कुट!" वह चिल्लाया, "पूरा दम लगाके पैर को खींचो।"

बिस्कुट ने उसके आदेश का पालन किया और पूरे ज़ोर से डाकू के पैर को खींचा। एक बार तो ऐसा लगा जैसे छोटे-से कुत्ते में इतनी ताक़त नहीं होगी, परंतु अंत में एड एक तरफ लुढ़का और धम्म से जहाज़ की छत पर जा गिरा। सैम इसी मौक़े की तलाश में था। उसने एक रस्सी ली और उसे डाकू के चारों ओर लपेट दिया और फिर उसने डाकू को बार-बार लुढ़काया। अंत में डाकू रस्सी से पूरी और पक्की तरह बँध गया। उसके बाद ही जाकर बिस्कुट ने एड का पैर छोड़ा।

लूसी और हरमियौन दौड़ कर यह देखने के लिए आए कि एड अच्छी तरह से बँधा है या नहीं। वे दोनों गाँठ बाँधने में माहिर थे और उन्होंने यह पक्का किया कि चाहे एड कुछ भी करे, फिर भी वह अपने बंधन को खोल नहीं पाएगा।

फिर उन लोगों ने एक-दूसरे को देखा और मुस्कुराए। योजना का पहला चरण काफ़ी सफल रहा। वे उससे बहुत ख़ुश दिखे। परंतु उन्हें यह भी पता था कि उनका असली इम्तहान अभी आगे था।

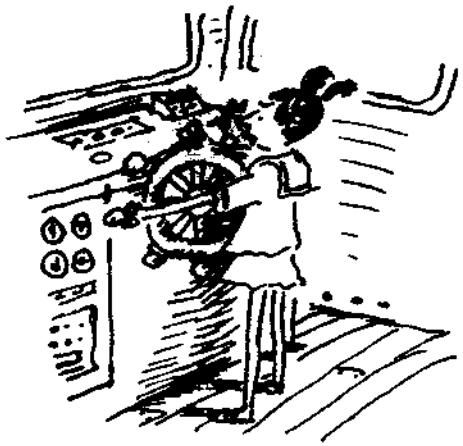

9

घर की ओर वापसी

जहाज़ को मोड़ना कोई आसान काम नहीं था। किसी पाल वाले जहाज़ में आप सिर्फ़ स्टेयरिंग को घुमाकर जहाज़ को नहीं मोड़ सकते। इसके लिए आपको पहले पालों में हवा भरनी होगी और काम काफ़ी कठिन होता है। इस काम में काफ़ी ख़तरा भी है। अगर आपने ग़लत दिशा में मोड़ दिया तो जहाज़ एक तरफ़ झुक कर पानी में डूब भी सकता है और आपकी यात्रा वहीं ख़त्म हो सकती है।

शुरू में लूसी ने स्टेयरिंग व्हील को संभाला।

हरमियौन और सैम इस बीच पालों की दिशा ठीक करने में व्यस्त रहे। इसके लिए उन्हें कई रस्सियाँ खींचनी पड़ीं और मस्तूलों पर चढ़ना पड़ा, तभी जाकर सारे पाल व्यवस्थित ढंग से बँध पाए। फिर, लूसी के आदेश पर उन लोगों ने कई रस्सियों को ज़ोर से खींचा जिससे कि हवा भरे पाल क़ाबू में रहें।

जब सब तैयारी पूरी हुई तब लूसी चिल्लाई : "मुड़ने के लिए तैयार रहो!" और हरेक बच्चा अपने-अपने काम में जुट गया। कुछ देर तक तो ऐसा लगा जैसे हवा में मुड़ते समय उस बड़े जहाज़ की रफ़्तार कम हो गई हो। परंतु जब दुबारा पालों में हवा भरी तो हरेक चीज़ बड़े ख़तरनाक तरीक़े से एक ओर झुकने लगी।

"दूसरी तरफ़ खींचो!" लूसी चिल्लाई, "अब पालों को खींचो!"

सैम और हरमियौन ने अपना पूरा ज़ोर लगाकर खींचा। पहले तो ऐसा लगा जैसे कुछ नहीं हुआ हो और जहाज़ एक ओर झुकता चला गया। एक

छोटी-सी लहर अब जहाज़ की छत पर बच्चों के पैरों के पास आकर गिरी, परंतु बच्चों ने अपना काम जारी रखा। धीरे-धीरे पाल क़ाबू में आए और जहाज़ अपने आप सीधा होने लगा।

"बहुत बढ़िया!" लूसी तेज़ हवा में चिल्लाई, "अब हम जहाज़ को ऐसा ही रखेंगे।"

जहाज़ अब तेज़ी से बढ़ा। पीछे से एक तेज हवा चलने लगी और जहाज़ डौल्फिन मछली की तरह पानी को काटता हुआ आगे बढ़ने लगा। क्योंकि अब सारे पाल सही दिशा में थे, इसलिए सैम और हरमियौन पर काम का बोझ कम हो गया। वे अब जहाज़ की छत पर आराम से बैठकर नीले समुद्र को निहार सकते थे। बिस्कुट को भी खुली हवा में मज़ा आ रहा था। वह बंद कमरे में रहते-रहते तंग आ चुका था। वह जहाज़ के किनारे बैठकर समुद्र की नमकीन हवा को अपनी मूँछों से महसूस कर रहा था।

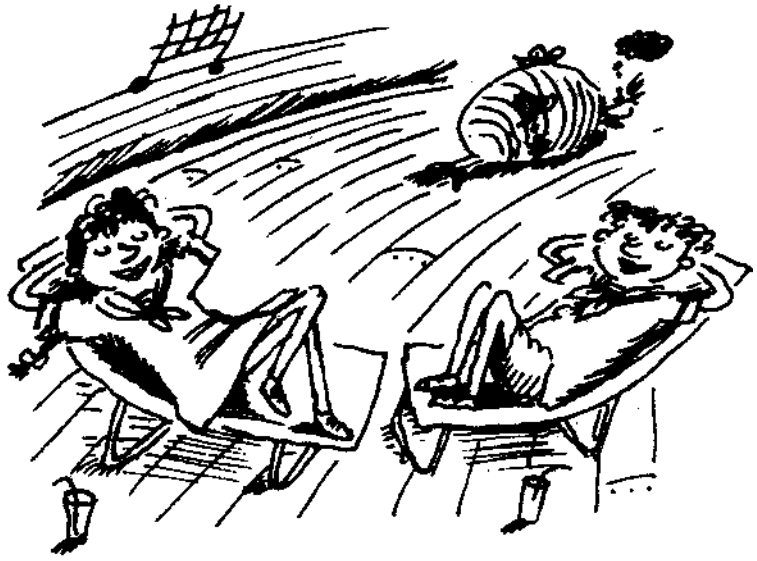

एड वहीं पड़ा रहा जहाँ उसे रस्सियों से बाँधा गया था। रसोई में बाक़ी डाकू अभी भी पॉपकौर्न के पहाड़ में से अपने आपको मुक्त करने की लगातार कोशिश कर रहे थे। पॉपकौर्न में दबे हुए टॉमी ने बहुत सारा पॉपकौर्न खा लिया था जिससे उसके पेट में भयंकर दर्द होने लगा था। बाक़ी डाकू कराह रहे थे और इस पूरे हादसे को एक-दूसरे की ग़लती बता रहे थे। बर्ट सारी ग़लती स्टिंगर पर मढ़ रहा था और स्टिंगर बर्ट को दोषी ठहरा रहा था। स्टिंगर के अनुसार बर्ट उतना अक़लमंद नहीं था जितना वह अपने आपको मानता था। श्रीमती

बर्ट उन दोनों को ही दोषी ठहरा रही थीं। बिल पूरी तरह से श्रीमती बर्ट को दोषी मानता था—उन्होंने बच्चों को रसोई इस्तेमाल करने की अनुमति ही क्यों दी?

"अब हम सभी लोग जेल की हवा खाएँगे," बर्ट ने उदास होते हुए कहा? "समुद्री डाकू जैसे एक सफल धंधे के बाद अब यह एक दुखद अंत होगा!"

"और मैंने सुना है कि जेल में खाना बहुत अच्छा नहीं मिलता है," बिल ने कहा, "सूखी रोटी और ऐसी ही कुछ और चीज़ें।"

"जेल का खाना कम-से-कम श्रीमती बर्ट के आलुओं से तो अच्छा ही होगा," स्टिंगर ने कहा, "मैं सच कह रहा हूँ, वे आलू मुझे बेहद नापसंद थे।"

"तुमने उन आलुओं को थोक के भाव खाया है!" श्रीमती बर्ट पॉपकौर्न को अपने चेहरे से हटाते हुए चिल्लाईं, "आलुओं को दुबारे परोसे जाने पर तुमने कभी मना नहीं किया।"

बस, एक-दूसरे को दोषी ठहराने और एक दूसरे की शिकायत का सिलसिला जारी रहा।

पूरी दोपहर तैरते रहने के बाद अब रात हो गई थी। आसमान में चाँद चमक रहा था जिसकी रोशनी में उन्हें आसपास का सब कुछ साफ़ और स्पष्ट दिखाई दे रहा था। लूसी ने स्टेयरिंग व्हील अब हरमियौन को थमा दिया और उसने अंत में उसे सैम को संभालने के लिए दे दिया। तीनों बच्चों ने अगली सुबह तक जहाज़ को सही दिशा में चलाने के काम को बारी-बारी से किया।

लूसी के हिसाब के अनुसार वे अब उस जगह से बहुत दूर नहीं थे जहाँ से समुद्री डाकुओं ने उन पर क़ब्ज़ा किया था। सैम से सबसे ऊंचे मस्तूल पर चढ़कर निगरानी करने को कहा गया। जैसे ही उसे कोई जहाज़ दिखे उसे ज़ोर से

चिल्लाना था जिससे उनके जहाज़ को उस ओर मोड़ा जा सके।

नाश्ते के कोई दो घंटे बाद सैम की चीख़ सुनाई दी। गोदाम में उन्हें बिस्कुटों का एक पुराना डिब्बा मिला और वही उन्होंने नाश्ते में खाए। लूसी स्टेयरिंग को संभाले थी और हरमियौन जहाज़ की छत पर बैठी थी। उन दोनों को सैम की चीख़ सुनाई दी और वे सैम की बताई हुई दिशा में देखने लगीं।

"देखो, वह रहा!" सैम ख़ुशी से चीख़ा, "मैं पक्की तरह से कह सकता हूँ कि वह हमारा पॉपकौर्न वाला जहाज़ है।"

फिर लूसी ने जहाज़ का स्टेयरिंग घुमाया और हरमियौन और सैम ने पालों को ठीक किया। उस दिशा में अच्छी हवा चल रही थी और इसी वजह से उनका जहाज़ आगे की ओर रॉकेट की तेज़ी से

बढ़ा। थोड़ी ही देर में वह उसके पास आ गए। अब वे पक्की तौर पर कह सकते थे कि वह पॉपकौर्न वाला जहाज़ ही था। कुछ ही मिनटों बाद उन्होंने अपने जहाज़ की पालों को नीचा किया और कप्तान फ़ोस्टर के तैरते जहाज़ के पास पहुँचे। अपने मालिक का जहाज देखकर बिस्कुट तो ख़ुशी से कूदने लगा। बच्चों ने उसे पकड़े रखा, नहीं तो शायद वह पानी में कूद जाता और बची दूरी को तैर कर पार करता। फिर धीरे से पास पहुँचने के बाद उन्होंने अपने जहाज़ को पॉपकौर्न वाले जहाज़ के साथ बाँध दिया।

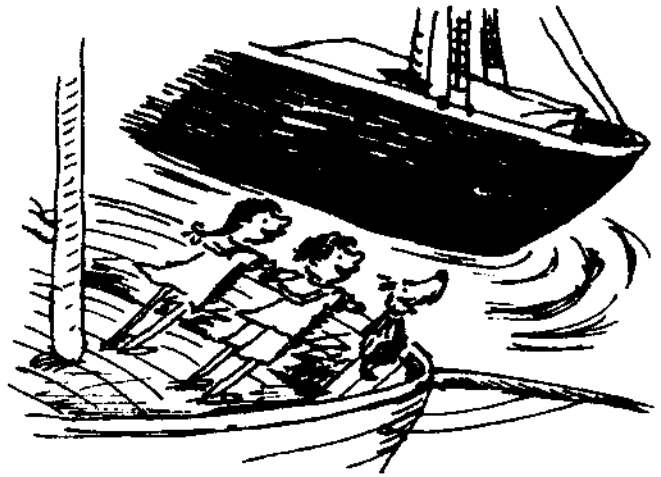

कप्तान फ़ोस्टर बहुत थके लग रहे थे और उन्हें ज़ोर की प्यास लग रही थी।

"जल्दी," उन्होंने हल्की सी आवाज़ में कहा, "अल्मारी में से कुछ नींबू का शरबत निकाल कर लाओ।" इस बीच बच्चों ने उनकी रस्सी को खोल दिया था।

कप्तान फ़ोस्टर ने ढेर सारा नींबू का शरबत पिया और उसके बाद उन्होंने बच्चों के बचे हुए बिस्कुट खाए।

"मैं तुम लोगों को देखकर बहुत ख़ुश हूँ," उन्होंने कहा, "मैंने तो लगभग उम्मीद ही छोड़ बैठा था।"

जैसे-जैसे कप्तान की तबियत कुछ ठीक हुई बच्चों ने उन्हें पूरी घटना का विवरण सुनाया और उन्हें बताया कि सभी समुद्री डाकू पास वाले जहाज़ में रसोई में क़ैद हैं या फिर वे अच्छी तरह रस्सी से बँधे हैं।

"कमाल कर दिया," कप्तान फ़ोस्टर ने कहा, "अब हमें सीधे पॉपकौर्न द्वीप जाना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि सब कुछ सही-सलामत

है।" यात्रा का अंतिम चरण कोई ख़ास मुश्किल नहीं था। हरमियौन पॉपकौर्न वाले जहाज़ पर रुकीं लेकिन लूसी और सैम समुद्री डाकुओं वाले जहाज़ पर गए। बिस्कुट अपने मालिक के साथ रहा और लगातार अपने मालिक को ताकता रहा।

वे लोग पूरी दोपहर और रात भर चलते रहे। रात के समय लूसी और हरमियौन अँधेरे में, एक-दूसरे को अपने-अपने संदेश भेजती रहीं। यह बहुत ही उपयोगी साबित हुआ, क्योंकि इसके कारण ही लूसी को कप्तान फ़ोस्टर बता सके कि उसे क्या करना है।

"कप्तान फ़ोस्टर कह रहे हैं कि तुम अपने आगे वाली पाल को थोड़ा-सा खींचो," हरमियौन ने संदेश भेजा।

"ठीक है!" लूसी ने तुरंत जवाब भेजा।

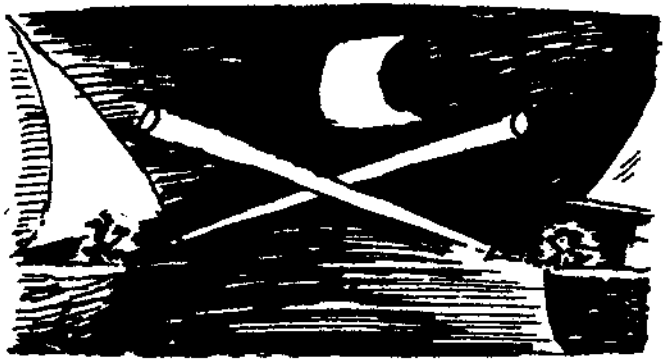

जब वे लोग पॉपकौर्न द्वीप के पास पहुँचे, उस समय अंधेरा ही था। हरमियौन अपनी टार्च से लूसी को आने वाले ख़तरों से बचने और बंदरगाह में प्रवेश करने के विस्तृत निर्देश भेज सकी।

फ़्लैश! फ़्लैश! उसने अपना संदेश भेजा, जिसका मतलब था : थोड़ा बायीं ओर जाओ।

या : डबल फ़्लैश! फ़्लैश! फ़्लैश! आधा फ़्लैश! जिसका अर्थ था : कप्तान फ़ोस्टर चाहते हैं कि तुम अपने जहाज़ को दायीं ओर समुद्र में स्थित पत्थरों से बचाओ।

लूसी ने कोई ग़लती नहीं की और जब वह डाकुओं के जहाज़ को सफलतापूर्वक बंदरगाह के अंदर ले आई तो कप्तान फ़ोस्टर और हरमियौन ने पॉपकौर्न जहाज़ से उसे बहुत बधाई दी। फिर उन्होंने अपने-अपने जहाज़ बाँधे और वह ज़मीन पर उतरे।

"चलो, आखिर घर आ पहुँचे," लूसी ने कहा, "मुझे यक़ीन ही नहीं हो रहा, लेकिन, हम अंत में सफल रहे।"

सुबह होने के कुछ मिनट बाद ही इस घटना की ख़बर पूरे द्वीप में फैल गई। ख़बर बाक़ी छोटे द्वीपों में भी फैल गई और थोड़ी ही देर में लोग अपनी-अपनी नावों में पकड़े गए समुद्री डाकुओं के जहाज़ को देखने के लिए आने लगे।

बच्चे बहुत थक गए थे, परंतु वे अभी सोना नहीं चाहते थे। उन्होंने बंदरगाह में रुक कर समुद्री डाकुओं को पॉपकौर्न द्वीप की पुलिस के हवाले किया और पुलिस को घटना का पूरा ब्यौरा बताया।

समुद्री डाकुओं की हालत काफ़ी दयनीय थी। एड को छोड़कर बाक़ी सारे डाकुओं पर पॉपकौर्न के टुकड़े चिपके थे और उनकी हालत एकदम मरियल हो गई थी। पॉपकौर्न द्वीप के पुलिसमैन ने उन्हें सख्त निगाह से देखा और हरेक का नाम अपने रजिस्टर में नोट किया। फिर उसने उन्हें हथकड़ियाँ पहनाईं ताकि वे कहीं भाग न जाएँ।

"इनका अब क्या होगा?" लूसी ने कप्तान फ़ोस्टर से पूछा।

"ये अब जेल में सड़ेंगे," कप्तान ने कहा, "इन्हें क्रिसमस तक जेल में रखा जाएगा। फिर अगर ये डकैती डालना छोड़कर कोई सही धंधा अपनाने

का वादा करेंगे तब शायद इन्हें छोड़ दिया जाए।"

मुझे आपको बताते हुए काफ़ी ख़ुशी हो रही है कि अंत में यही हुआ। हरेक डाकू ने, जिसमें वह भयानक स्टिंगर भी शामिल था, अपनी ग़लती क़बूल की और अपने काले कारनामों के लिए माफ़ी माँगी। अंत में सभी ने सही पेशे चुने और अच्छे नागरिक बने। बर्ट को बच्चों के पार्क में स्थित डाकुओं के जहाज़ का कप्तान नियुक्त किया गया (यह असली डाकुओं का जहाज़ नहीं था)। श्रीमती बर्ट वहाँ आने वालों के लिए नाश्ता बनाकर अपना जीवन चलातीं। बिल, एड, चार्ली और टॉमी—सभी को हॉलीवुड फ़िल्मों में समुद्री डाकुओं के रोल निभाने की नौकरी मिल गयी। इसमें उन्होंने बहुत नाम और शोहरत भी कमाई। परंतु वे सही रास्ते पर चलने का अपना वादा कभी न भूले। सच बात तो यह है कि उन्होंने बूढ़े नाविकों के आवास के लिए बहुत सारा पैसा दान भी दिया।

जहाँ तक स्टिंगर की बात है, किसी को यक़ीन नहीं था कि वह ईमानदारी से कोई नौकरी बहुत देर तक कर पाएगा। परंतु उसने सच में ऐसा किया। उसे एक मशहूर समुद्री तट पर शार्क मछलियों को डराने और भगाने की नौकरी मिली। जैसे ही तैराकों को आसपास कोई शार्क मछली नज़र आती, स्टिंगर फ़ौरन वहाँ अपनी छोटी नाव में पहुंच जाता और समुद्र में शार्क मछलियों के बीच कूद पड़ता। स्टिंगर का भयावह चेहरा और उसका डरावना हाव-भाव देखकर शार्क फ़ौरन दुम दबाकर भाग जातीं। यह नौकरी स्टिंगर की मनपसंद थी, क्योंकि वह गुर्राते समय ही बहुत ख़ुश होता था। और शार्कों को भगाते समय उसे सिर्फ़ गुर्राना ही पड़ता था। इस धंधे में उसका पाला किसी दिन ऐसी भी शार्क से पड़ सकता था जो उसके गुर्राने से बिलकुल न डरे, पर फिर कहानी कुछ और ही होती। परंतु दुनिया में कोई भी ऐसी नौकरी नहीं है जिसमें सभी ख़ूबियाँ हों।

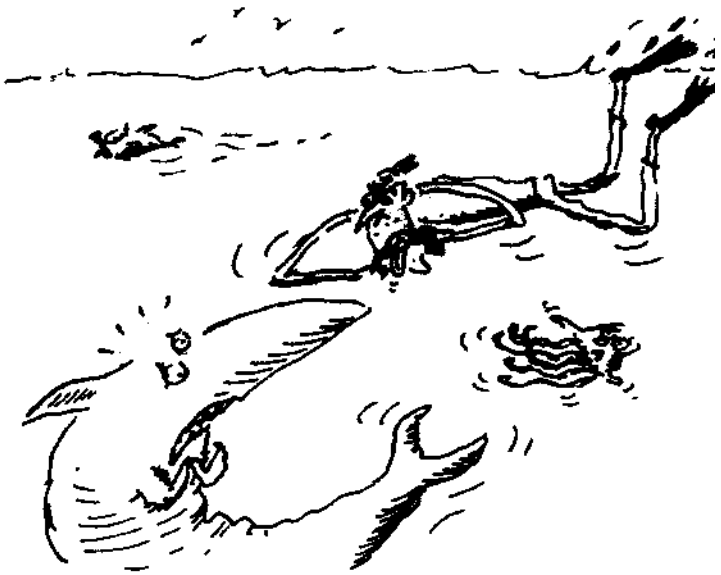

फिर पॉपकौर्न द्वीपों का क्या हुआ? वहाँ पर ज़िंदगी सामान्य हो गई और कप्तान फ़ोस्टर ने दूर-दराज़ के बाज़ारों में पॉपकौर्न ले जाने का काम जारी रखा और द्वीप के निवासी पॉपकौर्न उगाते रहे। इसमें सिर्फ़ एक बदलाव आया। जब बड़े द्वीप के कोर्ट में समुद्री डाकुओं की सुनवाई हुई तो जज ने कहा कि नियम-क़ानून के अनुसार समुद्री डाकुओं का जहाज़ उसे ही मिलता है जो उस पर क़ब्ज़ा करता है!

"इसलिए," जज ने कहा, "मैं आदेश देता हूँ कि समुद्री डाकुओं का जहाज़, जो वर्तमान में पॉपकौर्न द्वीप के बंदरगाह पर पड़ा है, के मालिक, हमेशा-हमेशा के लिए, वे तीन बहादुर बच्चे होंगे जिन्होंने उस पर क़ब्ज़ा किया था।"

जज अपना आदेश काफ़ी भारी-भरकम भाषा में देते हैं, परंतु सरल शब्दों में उसका मतलब था कि समुद्री डाकुओं वाला जहाज़ अब लूसी, हरमियौन और सैम का था।

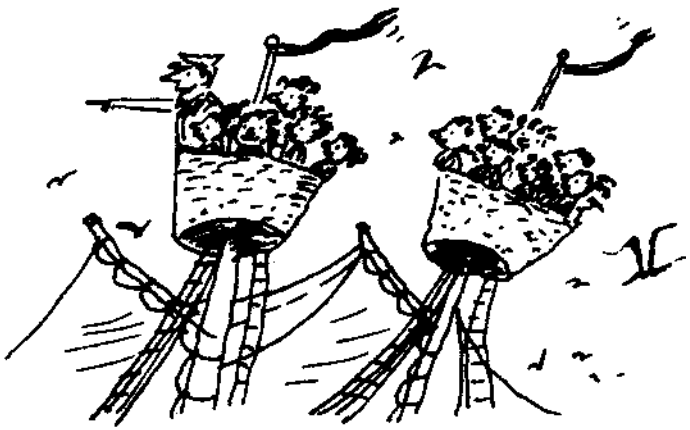

बच्चे इससे बहुत ख़ुश हुए और उन्होंने अपना काफ़ी ख़ाली समय जहाज़ की छत की सफ़ाई और जहाज़ को ठीक-ठाक रखने में बिताया। और जब जहाज़ पर दर्शक आते तो बच्चे उन्हें शान से अपने समुद्री जहाज़ पर अन्य द्वीपों का दौरा करा लाते। और अब कप्तान फ़ोस्टर अपनी छुट्टियाँ पॉपकौर्न द्वीप पर ही बिताते और उस समय वह द्वीप के सारे बच्चों को समुद्री डाकुओं वाले जहाज़ पर नाविकों का प्रशिक्षण देते।

इसमें बच्चों को बड़ा मज़ा आता। दिन ख़त्म होने के बाद—और समुद्र में ख़ूब घुम्मकड़ी करने के बाद—बच्चे जहाज़ की छत पर कप्तान फ़ोस्टर के साथ बैठते, जहाँ बिस्कुट उनके पास होता और सब लोग जी भरके नींबू का शरबत पीते। उसके बाद खाने को पॉपकौर्न मिलता—पॉपकौर्न द्वीप का स्वादिष्ट पॉपकौर्न, जिससे बच्चों का कभी मन नहीं भरता। और जब शाम ढलने लगती और क्षितिज में सूरज डूबने लगता तो कप्तान फ़ोस्टर और बच्चे समुद्री डाकुओं के साथ अपने रोमांचक कारनामों के बारे में बातें करते। उनका मानना था में उन कारनामों की वाक़ई ही एक अच्छी कहानी बनेगी अगर कोई उसे लिखेगा तो...